हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित
रजि नं.-JHAHIN/2022/82776
• दुमका • शनिवार • 24 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 340 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

Page 11
खेल

मिल्ने चोट के कारण टी- 20 वर्ल्ड कप से बाहर, एस20 के दौरान चोटिल हुए, काइल जैमीसन...

Page 10
देश

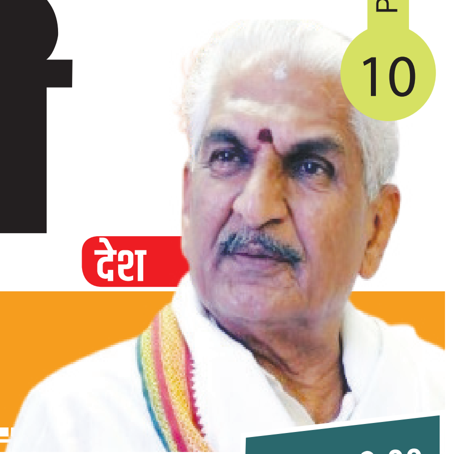

कर्नाटक में कथित नफरत भरे भाषण पर कार्रवाई, पुलिस ने आरएसएस नेता प्रभाकर...

रांची में 'विकसित भारत–2047' संवाद आयोजित, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और नौसेना प्रमुख हुए शामिल

युवा शक्ति भारत का भविष्य तय करेगी : संजय सेठ

संवाददाता। रांची

झारखंड की राजधानी रांची स्थित सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के संगम ऑडिटोरियम में शुक्रवार को 'विकसित भारत–2047' संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत संबोधन से हुई। सीसीएल के निदेशक हर्ष नाथ मिश्रा ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का आभार व्यक्त करते हुए इस संवाद कार्यक्रम की पहल के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी, अन्य अतिथियों, रक्षा बलों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए "जय हिंद, जय भारत" के उद्घोष के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आज का दिन विशेष रूप से पावन है, क्योंकि यह बसंत पंचमी, मां सरस्वती की आराधना और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती का अवसर है। उन्होंने युवाओं को 'विकसित भारत–2047' का ब्रांड एंबेसडर बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि ऊर्जा और प्रेरणा का संगम है। संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि एक लाख युवा संकल्प के साथ आगे बढ़ें, तो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि देश की आधी से अधिक आबादी 30 वर्ष से कम आयु की है और यही युवा शक्ति भारत का भविष्य तय करेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि सभागार भले ही छोटा हो, लेकिन यहां उपस्थित युवाओं के दिल और सपने बहुत बड़े हैं। युवाओं का समर्पण और अनुशासन यह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत–2047' अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की नियति बन चुका है। एडमिरल त्रिपाठी ने रिले रेस का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी अगली पीढ़ी को विकास की 'बैटन' सौंपने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को चार ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे देश अवश्य हासिल करेगा। उन्होंने समुद्री शक्ति और ब्लू इकोनॉमी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से होता है, जबकि देश की 88 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताएं भी समुद्र के रास्ते पूरी होती हैं। ऐसे में विकसित भारत की यात्रा एक "मैरीटाइम वॉयेज" होगी, जिसमें भारतीय नौसेना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि विकसित भारत केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से बनेगा। उन्होंने युवाओं से कौशल विकास, समस्या समाधान क्षमता, डिजिटल साक्षरता, संचार कौशल और चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

मां छिन्नमस्तिका दरबार में नौसेना प्रमुख ने टेका मत्था, आस्था के संग सुरक्षा का दिया संदेश

भारत की रक्षा व सुरक्षा पूरी तरह से मजबूत हाथों में : नौसेना प्रमुख

रामगढ़। भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी वसंत पंचमी के अवसर पर रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। वह माता का दर्शन कर देश की सुख समृद्धि और सुरक्षा की कामना की। उन्होंने कहा कि छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा करने के बाद उन्होंने नई ऊर्जा का आभास किया है। इस बार मां के बुलावे पर मैं आ पाया हूं। अगली बार यहां की संध्या आरती करने की तमन्ना दिल में लेकर जा रहा हूं। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और अच्छे हाथों में है। भारत की ओर बुरी नजर से देखने वालों की खैर नहीं। जल सुरक्षा पर बात करते हुए उन्होंने कहाकि भौगोलिक संरचना में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा जल क्षेत्र से जुड़ा है। नौसेना हर उस जगह पहुंच सकती है जहां पानी है। जहां-जहां भारतीय नौसेना तैनात है,वहां पूरी सतर्कता और मजबूती के साथ निगरानी रखी जा रही है। भारत हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

झारखंड के सारंडा जंगल में फिर मुठभेड़, एक महिला नक्सली ढेर,सर्च ऑपरेशन जारी

संवाददाता। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच शुक्रवार सुबह फिर मुठभेड़ हुई। किरीबुरू थाना क्षेत्र के बीहड़ कुमड़ी और हिंजोदिरी गांव के बीच हुई इस मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को मार गिराया गया। इससे पहले पिछले दो दिनों में मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। समाचार लिखे जाने तक मारी गई नक्सली की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार, सुरक्षाबल सारंडा के दुर्गम और घने जंगलों में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सघन सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और महिला नक्सली को मार गिराया। इससे पहले गुरुवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे इसी इलाके में हुई भीषण मुठभेड़ में 15 नक्सली मारे गए थे। इनमें 2.35 करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष नक्सली पतिराम मांझी उर्फ अनल और अनमोल समेत पांच महिला माओवादी शामिल थे।

इस बड़े ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने हेलीकॉप्टर और ड्रोन कैमरों की मदद से नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखी और रणनीतिक कार्रवाई की। चाईबासा के पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए कहा कि शुक्रवार की कार्रवाई में एक नक्सली मारा गया और पूरे इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है। सुरक्षा के मद्देनज़र अतिरिक्त बल अलर्ट पर रखे गए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि लगातार जारी मुठभेड़ों के चलते सारंडा और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए झारखंड की पुलिस महानिदेशक का प्रस्तावित चाईबासा दौरा फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। पुलिस पदाधिकारियों ने कहा कि गुरुवार से शुरू हुए यह मुठभेड़ का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा और नक्सलियों की मौजूदगी के बाद ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया।

केरल की रेल कनेक्टिविटी और मजबूत हुई, विकास परियोजनाएं नए अवसर पैदा करेंगी : पीएम मोदी

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल में शुरू की गई विकास परियोजनाएं राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करेंगी, रेल कनेक्टिविटी को सशक्त बनाएंगी और आम लोगों के लिए नए अवसर सृजित करेंगी। उन्होंने कहा कि ये पहलें केरल की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत हैं और 'विकसित भारत' के संकल्प को और मजबूत करती हैं। तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत, शहरी आजीविका से जुड़ी योजनाएं, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में निवेश तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार केरल को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तिरुवनंतपुरम दौरे के दौरान केरल को रेल कनेक्टिविटी, शहरी आजीविका, विज्ञान एवं नवाचार और स्वास्थ्य से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने तीन अमृत भारत एक्सप्रेस सहित कुल चार नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने कहा , "कुछ ही देर पहले अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई है। ये ट्रेनें केरल के भीतर यात्रा को सुगम बनाएंगी और पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ देंगी। गुरुवायूर और त्रिशूर के बीच नई यात्री ट्रेन से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। ये सभी पहलें केरल के समग्र विकास को गति देंगी। प्रधानमंत्री ने नागरकोइल–मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम–तांबरम और तिरुवनंतपुरम–चारलापल्ली मार्गों पर चलने वाली तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ किया। इसके साथ ही त्रिशूर–गुरुवायूर के बीच एक नई यात्री ट्रेन सेवा भी शुरू की गई। इन सेवाओं से केरल का तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के साथ रेल संपर्क और मजबूत होगा। इससे यात्रियों को सुरक्षित, किफायती और समयबद्ध यात्रा सुविधा मिलेगी, वहीं पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। कनेक्टिविटी के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मजबूत रेल अवसंरचना आर्थिक विकास, पर्यटन को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाती है। बेहतर संपर्क से व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी और छात्रों, कामकाजी लोगों तथा छोटे कारोबारियों को विशेष लाभ मिलेगा। शहरी आजीविका और गरीब कल्याण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने 'पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया।

शिक्षापत्री द्विशताब्दी समारोह स्वदेशी, सेवा और ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देगा: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज देश स्वदेशी, स्वच्छता और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे जन-आंदोलनों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि जब समाज के प्रयास इन अभियानों से जुड़ेंगे, तो शिक्षापत्री का यह द्विशताब्दी समारोह और भी यादगार बन जाएगा। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षापत्री द्विशताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान स्वामी नारायण की शिक्षापत्री के 200 वर्ष पूर्ण होना हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने भगवान स्वामी नारायण के करोड़ों अनुयायियों को द्विशताब्दी महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। मोदी ने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ज्ञानयोग के लिए समर्पित रहा है। वेद, उपनिषद, पुराण, श्रुति और स्मृति जैसी परंपराओं ने समय के अनुरूप समाज का मार्गदर्शन किया। अलग-अलग कालखंडों में महात्माओं और ऋषि-मुनियों ने इस परंपरा को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि भगवान स्वामी नारायण ने अपने जीवन प्रसंगों और लोकशिक्षा के माध्यम से सरल शब्दों में जीवन का अनमोल मार्गदर्शन दिया, जो शिक्षापत्री के रूप में आज भी प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान स्वामी नारायण का जीवन साधना के साथ सेवा की प्रतिमूर्ति था। आज उनके अनुयायियों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान कल्याण और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा के प्रति संतों और हरि भक्तों की सक्रिय भूमिका प्रेरणादायी है। मोदी ने कहा कि देश में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए 'ज्ञान भारतम मिशन' शुरू किया गया है और प्रबुद्ध संगठनों से इसमें अधिक सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत के प्राचीन ज्ञान और पहचान को बचाने में यह सहयोग अहम भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रांची की पूर्व मेयर रमा खलखो लड़ेंगी मेयर का चुनाव! प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को आवेदन देकर मांगी चुनाव लड़ने की इजाजत

रांची, एजेंसी। झारखंड में जल्द ही नगर निकाय चुनाव होने वाला है. यह चुनाव दलीय आधार पर नहीं होने वाला. बावजूद इसके राजनीतिक दल इस कोशिश में जुटे हैं कि चुनाव में उनके समर्थकों को ही जीत मिले. इस बीच रांची की पूर्व मेयर रमा खलखो ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को विधिवत आवेदन देकर रांची मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने की अनुमति मांगी है. इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर और प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी भी उपस्थित रहे. पूर्व मेयर रमा खलखो ने कहा कि रांची की जनता ने उनके मेयर का कार्यकाल देखा है, इसलिए जनता की चाहत है कि एक बार फिर वह मेयर बनें. रमा खलखो, रांची नगर निगम की पूर्व मेयर रह चुकी हैं. वर्ष 2008 में चुनाव जीतकर वह मेयर बनीं थीं. वर्तमान में महिला कांग्रेस की वह प्रदेश अध्यक्ष हैं. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को आवेदन देने के बाद रमा खलखो ने कहा कि रांची की जनता का दबाव है कि वह मेयर पद का चुनाव लड़ें. इसकी वजह भी है, जब वह रांची की मेयर थीं तब रांचीवसियों ने शहर का विकास देखा है. मेरे कार्यकाल के बाद के 10 वर्षों में रांची शहर का विकास रुक गया, अब रांची की जनता एक बार फिर रांची शहर का विकास चाहती है.

8 ट्रेनें टाटानगर स्टेशन के बजाय आदित्यपुर से चलेंगी

जमशेदपुर, एजेंसी। रेलवे प्रशासन ने यात्री सुविधा और संचालन को और अधिक सुगम बनाने के लिए टाटानगर से चलने वाली आठ प्रमुख ट्रेनों का टर्मिनल आादित्यपुर स्टेशन पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत 20816 विशाखापट्टनम-टाटाएक्सप्रेस अब विशाखापट्टनम-आदित्यपुर के रूप में 29 मार्च से चलेगी। ट्रेन का टाटा पर समय 6.40 बजे से घटाकर आदित्यपुर पर 6.35 बजे कर दिया गया है। वहीं, 20815 टाटा-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस 30 मार्च से आदित्यपुर से चलेगी, जिसका समय 7.25 बजे से बढ़ाकर 7.30 बजे किया गया है। इसके अलावा टाटानगर-धनबाद एक्सप्रेस (13301) 5 फरवरी से आदित्यपुर से दोपहर 12.05 बजे खुलेगी। धनबाद-टाटानगर एक्सप्रेस (13302) दोपहर 3.35 बजे आदित्यपुर पहुंचेगी। आसनसोल-टाटानगर(13512) 12.50 बजे आदित्यपुर पहुंचेगी।

टाटानगर-आसनसोल एक्सप्रेस(13511) दोपहर 1.25 बजेआदित्यपुर से खुलेगी। दोनों ट्रेनें 6 फरवरी से आदित्यपुर सेसंचालित होंगी। वहीं, हटिया-टाटानगर (68036) रात 11.35 बजे आदित्यपुर पहुंचेगी।टाटानगर-हटिया ट्रेन (68035)सुबह 6.35 बजे आदित्यपुर से खुलेगी।

गिरिडीह-डुमरी मार्ग पर दादी-पोता की मौत:तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हादसा, परिवार में पसरा मातम

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह-डुमरी मुख्य मार्ग पर गुरुवार शाम को एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दादी और पोता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह हादसा पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पांडेडीह गांव के पास हुआ, जब एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पीरटांड़ थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, गिरिडीह भेज दिया।

मृतकों की पहचान पीरटांड़ थाना क्षेत्र के चम्पानगर निवासी 30 वर्षीय अनिल मुर्मू और उनकी 60 वर्षीय दादी माझली देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों दूधीमाटी में रिश्तेदार के यहां से बाइक पर घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

ब्रिटेन की मंत्री सीमा मल्होत्रा से मिले सीएम हेमंत सोरेन, एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट पर मांगी मदद

रांची, एजेंसी। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन गुरुवार को आधिकारिक दौरे पर यूनाइटेड किंगडम (यूके) पहुंचे. वहां पर उन्होंने यूके गवर्नमेंट की पार्लियामेंटरी अंडर सेक्रेटरी फॉर इक्वलिटी एंड इंडो-पैसेफिक की मंत्री सीमा मल्होत्रा से मुलाकात की. इस मीटिंग में एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट, रिस्पॉन्सिबल माइनिंग, क्लाइमेट चेंजिंग, कल्चर और हेरिटेज कन्जर्वेशन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई. दोनों पक्षों ने झारखंड और यूके के बीच लॉन्ग टर्म और प्रैक्टिल को-ऑपरेशन को मजबूत करने पर सहमति जताई.

मीटिंग में ओवरसीज स्टडी, डायरेक्शन, इंटर्नशिप, लीडरशिप डेवलपमेंट और पब्लिक सर्विस एक्सपीरियंस से जुड़े प्रोग्राम को आपस में जोड़ने के लिए एक क्लीयर एक्शन प्लान बनाने पर सहमति बनी. सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के युवाओं को ग्लोबल लेवल के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्रॉयरिटी है. यूके सरकार ने झारखंड की मरांग गोमके जयपाल मुंडा फॉरेन स्कॉलरशिप स्कीम और चेवनिंग मरांग गोमके जयपाल मुंडा फॉरेन स्कॉलरशिप स्कीम की सराहना की. इन्हें भारत-यूके को-ऑपरेशन का पावरफुल एक्जांपल बताया गया. बताया गया कि पिछले चार सालों में इन स्कीम्स से 100 से अधिक स्टूडेंट्स को फॉरेन में हायर एजुकेशन का बेनिफिट मिल चुका है.

मीटिंग में यूके के मेन यूनिवर्सिटीज, स्किल और एलिजिबिलिटी इंस्टीट्यूशंस के साथ इंस्टीट्यूशनल को-

ऑपरेशन की पॉसिबिलिटीज पर चर्चा की गई. माइनिंग टेक्नोलॉजी, क्लाइमेट स्टडीज और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के सेक्टर में ज्वाइंट एजुकेशनल प्रोग्राम, टीचर्स के आदान-प्रदान और ट्रेनी रूट डेवलप करने पर जोर दिया गया. सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि अगर झारखंड के टेक्निकल इंस्टीट्यशंस और यूके के यूनिवर्सिटीज मिलकर काम करें, तो स्टेट के स्टूडेंट्स को वर्ल्ड लेवल ट्रेनिंग और रिसर्च का मौका मिलेगा, जिससे स्टेट की ह्यूमन रिसोर्स कैपिसिटी होगी.

इकोनॉमि और क्लाइमेट को-ऑपरेशन के बारे में सीएम हेमंत सोरेन ने रिस्पॉन्सिबल माइनिंग के सेक्टर में यूके की एक्सपर्टीज के साथ क्लोज को-ऑपरेशन का प्रपोजल रखा. इसमें एन्वायरमेंटल, सोशल और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टैंडर्ड सिस्टम, माइनिंग की पहचान और मॉनिटरिंग, माइन्स सिक्योरिटी, क्लीन प्रोसेसिंग और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी परफॉर्मेंस शामिल हैं. मीटिंग में रिस्पॉन्सिबिल क्रिटिकल मिनरल्स पर एक झारखंड-यूके वर्किंग ट्रैक स्थापित करने पर भी चर्चा की गई. इसका मकसद स्टैंडर्ड को मजबूत करना, रिसर्च और डेवलपमेंट, इनोवेशन और सप्लाई चेन को-ऑपरेशन को मजबूत करना होगा. यह पहल झारखंड को फ्यूचर की ग्रीन इकोनॉमी के लिए तैयार करने की डायरेक्शन में अहम कदम मानी जा रही है.

मीटिंग में यूके की क्लाइमेट और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस के साथ मिलकर झारखंड के कोल सेक्टर के डायवर्सिफिकेशन, क्लाइमेट एडॉप्टेशन, लेबर्स और लोकल कम्यूनिटी के समर्थन के लिए ट्रांजिशन फाइनेंस स्ट्रक्चर डेवलप करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई. सीएम ने झारखंड को जस्ट ट्रांजिशन प्रोग्राम के लिए एक पायलट स्टेट के रूप में स्थापित करने का प्रपोजल रखा.

सीएम हेमंत सोरेन ने कल्चर, स्पोर्ट्स और हेरिटेज प्रीजर्वेशन को लोगों के बीच सीधे संपर्क और संबंध मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बताया. उन्होंने भारत-यूके हेरिटेज प्रीजर्वेशन एग्रीमेंट के तहत झारखंड के मेगालिथ और मोनोलिथ प्लेस के प्रीजर्वेशन में यूके से को-ऑपरेशन से रिक्वेस्ट किया. इन हिस्टोरिकल प्लेसेज को यूनेस्को से मान्यता दिलाने की दिशा में भी को-ऑपरेशन की डिमांड की गई. सीएम सोरेन ने कहा कि झारखंड की ओल्ड हेरिटेज न केवल स्टेट, बल्कि पूरी ह्यूमैन सिविलाइजेशन की धरोहर है.

जमुआ-गिरिडीह मार्ग पर हादसा:बुढ़वा तालाब में पलटा ट्रक, चालक-खलासी फरार; कोई हताहत नहीं

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। जमुआ-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर बुढ़वा तालाब के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर तालाब में पलट गया। यह घटना सुबह करीब 5 बजे हुई। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह टहलने निकले लोगों ने बुढ़वा तालाब में एक ट्रक को पलटा हुआ देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर जमुआ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जमुआ थाना की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

चालक और खलासी की पहचान करने का प्रयास जारी: हादसे के बाद ट्रक का चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, ट्रक में लदी सामग्री, उसके आने और जाने का स्थान अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ट्रक के नंबर और अन्य सुरागों के आधार पर चालक और खलासी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ट्रक की रफ्तार तेज होने के कारण चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक तालाब में जा पलटा। दुर्घटना के बाद ट्रक अभी भी तालाब में फंसा हुआ है, जिसे बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के इलाकों से लोगों की भीड़ बुढ़वा तालाब के पास जमा हो गई। पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा।

मंत्रियों के कार्यकलापों से नाखुश हैं पांच कांग्रेसी विधायक, दिल्ली में के. राजू व वेणुगोपाल से मिले

रांची, एजेंसी। कांग्रेस के पांच विधायक एक साथ बुधवार को दिल्ली पहुंचे और पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की। इन विधायकों की अपनी पीड़ा और मांग है। विधायक राजेश कच्छप, भूषण बाड़ा, नमन विक्सल कोंगारी, सोनाराम सिंकू और सुरेश बैठा ने पहले इंदिरा भवन में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू से मुलाकात की। इसके बाद वे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांगठनिक मामलों के प्रभारी केसी वेणुगोपाल से मिले।

इन विधायकों ने राज्य में सरकार गठन के एक साल बाद भी बोर्ड-निगम के गठन नहीं होने का मुद्दा उठाया और इसके गठन कराने की मांग की। विधायकों की नाराजगी कांग्रेस कोटे के मंत्रियों को लेकर भी थी। पांचों विधायक गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करेंगे। मालूम हो कि कांग्रेस कोटे के मंत्रियों में डॉ। इरफान अंसारी,शिल्पी नेहा तिर्की, दीपिका पांडेय सिंह व राधाकृष्ण किशोर हैं। कांग्रेस विधायक दल के उपनेता व विधायक राजेश कच्छप ने बताया कि हमलोग नेता या मंत्री के पुत्र होकर विधायक नहीं बने हैं।

संगठन का दर्द बेहतर तरीके से समझते हैं। विधायक दल का उपनेता होने की वजह से अगर कोई उनके पास पीड़ा लेकर आएंगे तो वे हमेशा विधायकों के साथ ही खड़े मिलेंगे। हमलोगों की प्राथमिकता संगठन है। विधायक मंत्रियों के कार्यकलाप से खुश नहीं हैं। इसकी समीक्षा होनी चाहिए और संभव हो तो फेरबदल होना चाहिए। विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने कहा कि यह विधायकों की नार्मल विजिट है।

संगठन समेत अन्य मुद्दों पर शीर्ष नेताओं से बात हुई है। पेसा नियमावली के बाद कई तरह की बातें हो रही हैं। इसलिए इस पर भी अपनी बातें रखी गई हैं। विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के समक्ष ज्यादातार बाते संगठन से जुड़ी हुई थी। संगठन को लेकर विधायकों की भी अपनी चिंताएं हैं, उससे आला नेताओं को अवगत कराया गया है। मंत्रियों के मुद्दे पर भी बातचीत हुई है।

हेमंत सोरेन को बताया ग्लोबल आदिवासी नेता, मधु कोड़ा ने उठाए सवाल

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दावोस यात्रा के बाद अब लंदन यात्रा और ऑक्सफोर्ड में व्याख्यान के लिए मिले आमंत्रण से झामुमो काफी उत्साहित है। पार्टी उन्हें ग्लोबल आदिवासी नेता के रूप में प्रचारित कर रही है। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता मधु कोड़ा इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपने राज्य में आदिवासियों को सुरक्षा नहीं दे सकता, वह आदिवासियों का सबसे बड़ा नेता कैसे हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य मधु कोड़ा ने कहा कि वे नहीं मानते कि हेमंत सोरेन देश के आदिवासियों के एकमात्र बड़े नेता हैं। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले छह वर्षों से हेमंत सोरेन सत्ता में हैं, लेकिन राज्य में आदिवासी सुरक्षित नहीं हैं। सबसे अधिक हत्याएं आदिवासियों की हो रही हैं और उनकी जमीन भी हेमंत राज में सबसे ज्यादा लूटी जा रही है।

मधु कोड़ा ने कहा, 'जिस आदिवासी नेता के शासन में आदिवासी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो वह कैसे देश-विदेश का बड़ा नेता हो सकता है।' उन्होंने पेसा कानून की नियमावली बनाकर आदिवासियों से छल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे नेता को आदिवासियों का एकमात्र बड़ा, राष्ट्रीय और ग्लोबल नेता बताना हास्यास्पद है।

मुख्यमंत्री और झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन को एक स्थापित जनजातीय नेता बताते हुए झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि वे नहीं मानते कि मधु कोड़ा और चंपाई सोरेन जैसे नेता आदिवासी समुदाय के बड़े नेताओं में से एक हैं। मनोज पांडेय ने कहा, 'जनता किसी भी व्यक्ति को अपना नेता या अगुआ मानती और बनाती है।' उन्होंने आगे कहा कि जहां तक आदिवासियों के नेता की बात है, अब उनकी चर्चा राष्ट्रीय फलक पर नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय फलक पर हो रही है। ऑक्सफोर्ड से व्याख्यान का न्योता मिलना यह साबित करता है कि हेमंत सोरेन का राजनीतिक कद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है।

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि अपनी विशाल सोच और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना से ही कोई नेता बड़ा कद वाला बनता है। चंपाई सोरेन ने जो भी मुकाम हासिल किया, वह झामुमो और शिबू सोरेन-हेमंत सोरेन की वजह से हासिल हुआ। आज वे भाजपा में जाकर मात्र एक विधायक हैं। मंच से भाजपा के वरिष्ठ नेता ही इशारों-इशारों में मधु कोड़ा, चंपाई सोरेन और बाबूलाल मरांडी को 'आया राम-गया राम' कहकर तंज कसने से नहीं चूकते।

झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज व लैब को केंद्र की मंजूरी

रांची, एजेंसी। केंद्र सरकार ने झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। इसके साथ ही राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों तथा रांची सदर अस्पताल में जापानी तकनीक आधारित अत्याधुनिक हाईटेक लैब स्थापित किया जाएगा। राज्य के मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस एवं पीजी सीटों में सीटों की वृद्धि की जाएगी। साथ ही राज्य के सभी जिलों में हेल्थ कॉटेज बनाया जाएगा।

इसके निर्माण के लिए केंद्र व राज्य के बीच 60:40 के अनुपात में वित्तीय सहयोग पर सहमति बनी। नई दिल्ली में गुरुवार को झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव के साथ बैठक में इन सारे प्रस्तावों को रखा। लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं जनहितकारी बनाने को लेकर इन प्रस्तावों पर चर्चा हुई। केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सभी आवश्यक कागजी प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर केंद्र सरकार को भेजी जाएंगी।

मंत्री सुदिव्य ने युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ने पर दिया जोर

रांची, एजेंसी। लंदन प्रवास के दौरान झारखंड सरकार ने शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। गुरुवार को आयोजित झारखंड-यूके उच्चस्तरीय राउंड टेबल संवाद में राज्य के युवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने की रणनीति पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता पर्यटन, युवा कार्य एवं उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार और अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल ने की। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि यह संवाद शिक्षा को रोजगार से और कौशल को अवसर से जोड़ने की सरकारी सोच को मजबूती देता है।

टाटानगर के बजाए आदित्यपुर से चलेंगी ये 4 ट्रेनें, चक्रधरपुर मंडल ने जारी किया आदेश

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर रेलवे स्टेशन से चलने वाली चार जोड़ी ट्रेनें 29 जनवरी से आदित्यपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होंगी। रेलवे बोर्ड से स्वीकृति मिलने के बाद चक्रधरपुर मंडल ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। टाटानगर रेलवे स्टेशन पर लगातार भीड़ बढ़ती जा रही है। इसके अलावा यहां स्टेशन री-डेवलपमेंट का भी काम शुरू होना है। ऐसे में चक्रधरपुर मंडल मुख्यालय की ओर से रेलवे बोर्ड को एक प्रस्ताव भेजा गया था जिसमें आठ जोड़ी ट्रेनों को आदित्यपुर से चलने की अनुमति दी गई थी।

प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद अब 29 जनवरी से चक्रधरपुर मंडल इस दिशा में पहल कर रही है। इसमें आदित्यपुर से ट्रेनें शुरू होंगी और डाउन ट्रेन इसी स्टेशन पर आकर समाप्त हो जाएंगी।

रेल प्रशासन द्वारा की जा रही इस पहल से वैसे यात्री जो बर्मामाइंस, करनडीह, सरजामदा, बागबेड़ा सहित अन्य क्षेत्रों से इन ट्रेनों में सफर करते हैं उनकी परेशानी बढ़ जाएगी। उन्हें टाटानगर के बजाए आदित्यपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए आना होगा जिससे न सिर्फ उनका एक घंटे का समय बर्बाद होगा बल्कि आटो व टैक्सी किराया भी अधिक देना होगा।

तंत्र के गण: देशसेवा के लिए युवाओं को वर्दी तक पहुंचा रहे झारखंड के ये 'गुमनाम' जमीनी नायक

रांची, एजेंसी। झारखंड के अलग-अलग जिलों में कुछ ऐसे गुमनाम नायक हैं, जो बिना किसी सरकारी सुविधा, प्रचार या स्वार्थ के युवाओं को देशसेवा की राह पर आगे बढ़ा रहे हैं।

कहीं खेल का मैदान प्रशिक्षण केंद्र बन गया है, तो कहीं गांव की पाठशाला देशभक्ति की प्रयोगशाला। सीमित संसाधनों, निजी संघर्षों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद ये लोग युवाओं को सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लिए तैयार कर रहे हैं। कोडरमा के टेकलाल दास, लोहरदगा के मोगीश और लातेहार के दयामन भगत ऐसे ही जमीनी नायक हैं, जिनका सपना है कि कोई भी प्रतिभाशाली युवा संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए।

कोडरमा। कोडरमा जिले के झुमरीतिलैया निवासी टेकलाल दास बीते करीब सात वर्षों से युवाओं को देशसेवा के लिए तैयार करने में जुटे हैं। झुमरीतिलैया के सीएच हाई स्कूल का मैदान उनके लिए सिर्फ खेल का मैदान नहीं, बल्कि देशसेवा की प्रयोगशाला है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद वे प्रतिदिन 100 से अधिक युवाओं को दौड़, व्यायाम और कठोर शारीरिक प्रशिक्षण देते हैं।

बिना किसी शुल्क और स्वार्थ के टेकलाल दास अग्निवीर, भारतीय सेना, सीआईएसएफ, बीएसएफ, सीआरपीएफ समेत विभिन्न राज्यों की पुलिस और

अर्धसैनिक बलों की तैयारी कराते हैं। उनका फोकस सिर्फ शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि वे युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना भी विकसित करते हैं।

झारखंड होमगार्ड के जवान के रूप में सेवा दे रहे टेकलाल दास ड्यूटी के बाद भी मैदान में पहुंचते हैं। अब तक वे करीब 550 युवाओं को प्रशिक्षित कर चुके हैं, जिनमें से 200 से अधिक का चयन दारोगा, पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आर्मी, एयर फोर्स और नेवी में हो चुका है। कभी कम ऊंचाई के कारण स्वयं चयन से वंचित रहे टेकलाल दास आज अपने अनुभव से सैकड़ों युवाओं का भविष्य संवार रहे हैं।

कैरो (लोहरदगा)। लोहरदगा जिले के कैरो प्रखंड में मोगीश पिछले चार वर्षों से युवाओं और युवतियों को डिफेंस सेवाओं की तैयारी करा रहे हैं। प्रतिदिन 70 से 80 बालक-बालिकाओं को वे निश्शुल्क शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण देते हैं। दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, पुशअप, सिटअप जैसे अभ्यास के साथ अनुशासन, समय प्रबंधन और टीम भावना पर विशेष जोर दिया जाता है।

ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए महंगी कोचिंग एक सपना होती है। ऐसे में मोगीश इन युवाओं के लिए संबल बने हैं। उनका मानना है कि देशसेवा का जज्बा रखने वाला कोई भी युवा संसाधनों के अभाव में पीछे नहीं रहना चाहिए।

उनके प्रशिक्षण से अब तक कई युवा शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल हुए हैं, जबकि दो युवाओं का चयन भारतीय सेना में हो चुका है। प्रशिक्षण लेने वाले युवा बताते हैं कि मोगीश सिर्फ प्रशिक्षक नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, जो असफलता से डरने के बजाय उससे सीखने की प्रेरणा देते हैं।

रांची और लातेहार जिले की सीमा पर स्थित सुदूर आदिवासी गांव ढोंटी में शिक्षक दयामन भगत बीते दो वर्षों से युवाओं को पुलिस और आर्मी के लिए तैयार कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने गांव में शिक्षा और अनुशासन की मजबूत नींव रखी है।

दयामन भगत प्रतिदिन बालक-बालिकाओं को निःशुल्क पढ़ाई कराते हैं।

साहेबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने विकास योजनाओं की समीक्षा कर गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर, लापरवाही पर दी चेतावनी

संवाददाता

साहेबगंज। जिले में संचालित विभिन्न जन-कल्याणकारी और विकास योजनाओं की प्रगति को गति देने के लिए जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत DMFT, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद और नीति आयोग सहित अन्य मदों से संचालित योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य निष्पादन में पारदर्शिता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

समीक्षा के दौरान जिले की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गईः

पेयजलः बरहेट प्रखंड के कालीदाह गाड़ टोला में पानी टंकी का निर्माण।

पर्यटन व सौंदर्यीकरणः उधवा प्रखंड के श्रीधर काली मंदिर घाट पर चेंजिंग रूम का निर्माण और साहिबगंज शहर में 'Waste to Wonder Park' का निर्माण।

शिक्षाः मध्य विद्यालय सकरीगली में 06 अतिरिक्त वर्ग कक्षों का निर्माण।

रोजगार सृजनः 100 आदिम जनजाति (PVTG) परिवारों के लिए मशरूम उत्पादन के माध्यम से स्थायी रोजगार सुनिश्चित करना।

कल्याण विभागः अम्बेरी एवं ढिबरीकोल आवासीय विद्यालयों में मॉड्यूलर किचन सह भोजनालय का उन्नयन।

आवास व ग्रामीण विकासः प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना एवं मनरेगा की भौतिक और वित्तीय प्रगति।

उपायुक्त हेमंत सती ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि केवल कागजों पर काम न दिखे, बल्कि अधिकारी फील्ड में जाकर योजनाओं का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी योजना में शिथिलता या देरी पाई गई, तो संबंधित अधिकारी और कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया ताकि आम जनता को इनका लाभ शीघ्र मिल सके। विकास की इस महत्वपूर्ण बैठक में उप विकास आयुक्त (DDC) सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. राम देव पासवान, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार सहित विभिन्न संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता और अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजमहल में 'पराक्रम दिवस' की धूमः SDO, कार्यपालक पदाधिकारी और BDO ने नेताजी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती शुक्रवार को राजमहल अनुमंडल में अत्यंत गरिमामय ढंग से मनाई गई। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति उनके बलिदान को याद किया। नगर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के समक्ष आयोजित इस मुख्य कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) सदानंद महतो, कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल पदाधिकारी (BDO/CO) मोहम्मद यूसुफ ने संयुक्त रूप से प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उपस्थित कर्मियों और नागरिकों ने 'जय हिंद' और 'नेताजी अमर रहें' के नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने कहा कि नेताजी का संपूर्ण जीवन त्याग और संघर्ष की एक अमर गाथा है। उन्होंने कहा, "नेताजी का ऐतिहासिक नारा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा' आज भी भारतीय युवाओं की रगों में जोश भर देता है। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य और देश के प्रति समर्पण कभी कम नहीं होना चाहिए।" कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन और बीडीओ मोहम्मद यूसुफ ने अपने संबोधन में कहा कि नेताजी का सपना एक ऐसे भारत का था जो न केवल आजाद हो, बल्कि सशक्त और आत्मनिर्भर भी हो।

अधिकारियों ने उपस्थित सभी लोगों से आह्वान किया कि वे नेताजी के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारें और राष्ट्र निर्माण में अपनी ईमानदारी से भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने और राष्ट्रहित में निष्ठापूर्वक कार्य करने का संकल्प लिया। पूरा आयोजन राष्ट्रप्रेम के उत्साह और गौरवपूर्ण स्मृतियों के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर अनुमंडल और प्रखंड कार्यालय के विभिन्न कर्मी, स्थानीय समाजसेवी और बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

उधवाः 'फैजान-ए-रसूल' कॉन्फ्रेंस में उमड़ा जनसैलाब, असद इकबाल की नात और मुफ्ती अशरफ के बयानों से महकी फिजा

संवाददाता

साहेबगंज। प्रखंड क्षेत्र के प्राणपुर पश्चिमी टोला स्थित मदरसा कादरीया फैजाने रसूल परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'फैजान-ए-रसूल' कॉन्फ्रेंस गुरुवार को भव्य समापन के साथ संपन्न हुई। इस रूहानी आयोजन में स्थानीय लोगों के साथ-साथ अन्य राज्यों से आए उलमा-ए-किराम, मौलाना और मशहूर शायरों ने शिरकत की, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। कॉन्फ्रेंस के पहले दिन विशेष रूप से महिलाओं के लिए जलसा आयोजित किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश से आईं शायदा खातून और उत्तर दिनाजपुर की अमीना खातून ने शिरकत की। उन्होंने अपने प्रभावशाली विचारों के माध्यम से महिलाओं को समाज में उनकी भूमिका और दीनी तालीम के महत्व के प्रति जागरूक किया। दूसरे दिन आयोजित मुख्य जलसे में राजस्थान से पधारे प्रसिद्ध इस्लामिक विद्वान मुफ्ती अशरफ जिलानी अजहरी मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने अपने ओजस्वी बयान में दीनी तालीम, अच्छे अखलाक (आचरण) और समाज में आपसी भाईचारे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज की तरक्की का एकमात्र रास्ता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारत के मशहूर शायर 'बुलबुले बाग-ए-मदीना' असद इकबाल कलकत्तवी रहे। उन्होंने जैसे ही अपनी मशहूर नात-ए-पाक पेश की, पूरा मजमा रूहानी रंग में रंग गया। उनकी सुरीली आवाज और कलाम सुनकर श्रोता झूम उठे और देर रात तक अल्लाह और रसूल की मोहब्बत में पूरा माहौल सराबोर रहा। जलसे के दौरान एक गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब मदरसे के 11 प्रतिभावान छात्रों (तालिब-ए-इल्मों) की दस्तारबंदी (सम्मान समारोह) की गई। इनमें 3 हाफिज और 8 कारी शामिल थे, जिन्होंने अपनी शिक्षा पूर्ण की है। विद्वानों ने उन्हें दस्तार पहनाकर उज्ज्वल भविष्य की दुआएं दीं। देर रात तक चले इस जलसे का समापन सुबह लगभग 4 बजे हुआ। इसे सफल बनाने में मदरसा कमेटी के सचिव अब्दुल गफ्फार, एजूल हक, सिराज अहमद, आलमगीर आलम, सरफराज अहमद, रेबल इस्लाम, हुमायूं शेख और अब्दुल हन्नान सहित कई गणमान्य लोगों ने अहम भूमिका निभाई। आयोजन समिति ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल धार्मिक शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि समाज में अमन, शांति और आपसी सौहार्द को मजबूत करना भी है।

राजमहलः पराक्रम दिवस पर भाजपा नगर इकाई ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन, शरण पार्क में अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता

साहेबगंज। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती शुक्रवार को राजमहल में "पराक्रम दिवस" के रूप में बड़े गर्व और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नगर इकाई की ओर से एक गरिमामय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत भाजपा कार्यकर्ता नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी के नेतृत्व में स्थानीय शरण पार्क पहुँचे। यहाँ स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नेताजी के जयघोष और देशभक्ति के नारों से पूरे वातावरण को गुंजायमान कर दिया। उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी ने कहा, "आज पूरा देश नेताजी की जयंती को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मना रहा है। नेताजी का अदम्य साहस, प्रखर राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के लिए दिया गया बलिदान आज भी हमारे समाज और विशेषकर युवाओं के लिए सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत है।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे नेताजी के सिद्धांतों और आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि रखें। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और नेताजी के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने एक-एक कर प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनिमेष स्वर्णकार, नकलेश मिश्रा, राजेश बढ़ई, सुधन बर्मन, ऋषभ चौधरी, राहुल चौधरी सहित भाजपा के दर्जनों कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

साहेबगंज नगर पालिका चुनाव की तैयारीः वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए RO और ARO को मिला सघन प्रशिक्षण, निष्पक्ष चुनाव का संकल्प

संवाददाता

साहेबगंज। आगामी नगर पालिका आम निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी निर्वाची पदाधिकारियों (RO) और सहायक निर्वाची पदाधिकारियों (ARO) के लिए एक विशेष एवं गहन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया की तकनीकी, कानूनी और व्यवहारिक बारीकियों से अवगत कराना रहा। सत्र के दौरान नामांकन प्रक्रिया, नामांकन पत्रों की जांच (स्कूटनी), नाम वापसी, चुनाव चिह्न आवंटन और आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) के कड़ाई से पालन पर विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों को निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष निर्देश दिए गएः

बैलेट बॉक्स का उपयोगः मतदान के दौरान बैलेट बॉक्स के सुचारु संचालन की प्रक्रिया।

चुनाव व्ययः प्रत्याशियों द्वारा किए जाने वाले चुनावी खर्च के लेखा-जोखा की निगरानी।

तकनीकी उपयोगः सूचना प्रौद्योगिकी (IT) के माध्यम से चुनाव की मॉनिटरिंग।

शिकायत निवारणः आम जनता और प्रत्याशियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए तंत्र को सक्रिय करना।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करें। उन्हें टीम भावना के साथ कार्य करने और लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने की सीख दी गई। सत्र में अधिकारियों द्वारा पूछे गए तकनीकी प्रश्नों का समाधान भी किया गया और संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र में नगर परिषद साहेबगंज, नगर पंचायत राजमहल और नगर पंचायत बरहरवा के सभी संबंधित निर्वाची एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस सघन प्रशिक्षण से आगामी नगर पालिका चुनाव को सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक संपन्न कराने की दिशा में प्रशासनिक तैयारियों को और अधिक मजबूती मिली है।

18वीं झारखंड सीनियर स्टेट महिला कबड्डी चैंपियनशिपः साहिबगंज की बेटियों ने लहराया परचम, जीता कांस्य पदक

साहेबगंज। जामताड़ा जिला कबड्डी संघ के तत्वावधान में आयोजित 18वीं झारखंड सीनियर स्टेट महिला कबड्डी चैंपियनशिप में साहेबगंज जिले की महिला टीम ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कांस्य पदक (Bronze Medal) पर कब्जा जमाया है। 20 से 21 जनवरी 2026 तक चली इस प्रतियोगिता में साहेबगंज की टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और शानदार टीम वर्क से सबका दिल जीत लिया। कप्तान ममता कुमारी के कुशल नेतृत्व में साहेबगंज की टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान आक्रामक खेल दिखाया। टीम ने जामताड़ा, हजारीबाग और धनबाद जैसी राज्य की सशक्त टीमों को कड़ी टक्कर देते हुए पराजित किया और तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों की 'आक्रामक रेड' और 'मजबूत डिफेंस' ने दर्शकों और खेल विशेषज्ञों को काफी प्रभावित किया। महिला टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरे जिले में गौरव और हर्ष का माहौल है।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा प्रदान करना

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/57 दिनांक 20.01.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चौथी मंजिल, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा **हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा प्रदान करने** के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी सूचीपत्र **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। ● **सूचीपत्र सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-57;** ● **नीलामी आरम्भ होने की तारीख एवं समयः** 04.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; विवरण** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **एए/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएसएन-17-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-I के अधीन (लिलुआ स्टेशन से हुगली स्टेशन तक तथा बेलूड़मठ स्टेशन) स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के भीतर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एए/2;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-जेटीएल-ओएसएन-19-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-IV के अधीन [क) झापटेरढाल स्टेशन से गुमानी स्टेशन तक, ख) आदलपहाड़ी से कुरुवा स्टेशन तक, ग) आजिमगंज सिटी स्टेशन से टाकीपुर स्टेशन तथा घ) चौहट्टा स्टेशन से अजय केबिन तक] स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के भीतर वाणिज्यिक प्रचार हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएच-1-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-I के अधीन (लिलुआ स्टेशन से हुगली स्टेशन तक तथा बेलूड़मठ स्टेशन) स्टेशनों के आउट ऑफ होम (स्टेशन परिसर के बाहर) में वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/2;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएच-142-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); हावड़ा रेलवे स्टेशन में स्मारक ध्वज क्षेत्र के सामने 04 (चार) अदद ग्लोबॉल टावरों की स्थापना एवं रखरखाव के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/3;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-आरपीएच-ओएच-153-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); रामपुरहाट रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/4;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूएई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/5;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); नबद्वीप धाम रेलवे स्टेशन के अस्थाई बुकिंग कार्यालय के निकट सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/6;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के संचालन, रखरखाव एवं प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए संविदा प्रदान करना। **एसी/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-ओएसडी-86-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल); बर्द्धमान स्टेशन के भीतर विभिन्न स्थानों पर 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 06 (छह) अदद वीडियो वॉलों के माध्यम से रेलवे जानकारी तथा विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। (HWH-556/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

लोकतंत्र की मजबूती के लिए साहिबगंज परिवहन विभाग की पहलः एम.वी.आई. अभिषेक मुंडा ने दिलाई मतदाता शपथ

संवाददाता

साहेबगंज। लोकतंत्र को सशक्त बनाने और आगामी चुनावों के मद्देनजर नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से साहेबगंज जिला परिवहन कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से 'सड़क सुरक्षा' के साथ-साथ 'मतदाता जागरूकता' का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। मोटर वाहन निरीक्षक (एम.वी.आई.) अभिषेक मुंडा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यालय के सभी पदाधिकारियों और कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से लोकतांत्रिक मर्यादाओं को बनाए रखने की शपथ ली। "हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर... सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।" कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एम.वी.आई. अभिषेक मुंडा ने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत उसके जागरूक और जिम्मेदार मतदाता होते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, "स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए निर्भीक होकर मतदान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। हमें न केवल स्वयं मतदान करना है, बल्कि अपने परिवार और समाज के हर व्यक्ति को मतदान केंद्र तक पहुँचने के लिए प्रेरित करना है। प्रत्येक नागरिक का एक-एक वोट देश के भविष्य और लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है।" यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकता का संदेश देने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही। जहाँ एक ओर विभाग सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को सचेत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी संकल्पित नजर आया। इस अवसर पर मुकेश कुमार, प्रशांत कुमार, सड़क सुरक्षा प्रबंधन के नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, अमन कुमार, सुमित कुमार, बैजनाथ यादव, जगन्नाथ साह सहित जिला परिवहन कार्यालय के अन्य कई कर्मचारी और सहयोगी उपस्थित रहे।

साहेबगंज रेलवे स्टेशन पर रैक लोडिंग बंद होने से मजदूरों का फूटा गुस्साः कल 24 जनवरी को एक दिवसीय धरना, अनिश्चितकालीन अनशन की चेतावनी

साहेबगंज। पूर्व रेलवे के साहेबगंज रेलवे स्टेशन पर रैक लोडिंग कार्य बंद किए जाने से हजारों मजदूरों के समक्ष रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। रैक लोडिंग पर निर्भर मजदूर परिवारों के सामने भरण-पोषण की समस्या को देखते हुए झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही रैक लोडिंग कार्य शुरू नहीं किया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) के नेता राजकुमार यादव ने कहा कि रैक लोडिंग बंद रहने के कारण मजदूरों की दैनिक आमदनी पूरी तरह ठप हो गई है। उन्होंने बताया कि संघ ने पहले भी कई बार रेलवे प्रशासन को इस जनहित और मजदूर हित की समस्या से अवगत कराया है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। प्रशासन की इस उदासीनता के कारण मजदूर परिवार आर्थिक तंगी और भुखमरी की कगार पर पहुँच गए हैं। मजदूरों की जायज मांगों को लेकर संघ ने शनिवार, 24 जनवरी 2026 को एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। यह प्रदर्शन साहिबगंज में सुबह 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक चलेगा। राजकुमार यादव ने स्पष्ट किया कि यह धरना केवल एक चेतावनी है ताकि प्रशासन नींद से जागे। संघ ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि सांकेतिक धरने के बाद भी रैक लोडिंग कार्य पुनः शुरू नहीं किया गया, तो मजबूर होकर मजदूर संघ अनिश्चितकालीन अनशन जैसे कठोर कदम उठाएगा। संघ ने साफ कर दिया है कि ऐसी स्थिति में यदि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी। राजकुमार यादव ने मंडल रेल प्रबंधक (DRM), पूर्व रेलवे मालदा और स्टेशन प्रबंधक, साहेबगंज से पुरजोर अपील की है कि वे इस मानवीय संकट को गंभीरता से लें।

संक्षिप्त समाचार

सुंदरापहाड़ी में एक है आलम जिनके अवैध खनन के मामले पर लीपा पोती की उड़ती खबरें शोर मचाई है

» 27 बीघा गैर-लीज क्षेत्र में खुदाई, मापी दस्तावेज से छेड़ छाड़ कर रफा दफा करने का बड़ा रैकेट सक्रिय

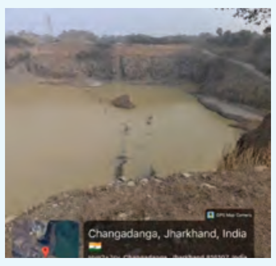

पाकुड़ । पाकुड़ अंचल अधीन सुंदरा पहाड़ी मौजा में स्थित एक आलम की कहानी है अजब निराली जो ना केवल राजस्व को चुना लगाया बल्कि खनन अधिकारी से लेकर अंचल अधिकारी तक को साठ गाठ मे लेकर लीज की स्वीकृत क्षेत्र से करीबन 27बिघा मे अवैध खनन किये जाने को लेकर स्थानीय ग्रामीणों एवं सूत्रों के अनुसार खनन कार्य लीज की नियम और शर्त का उल्लंघन करते हुए बड़े पैमाने पर किया गया है। सूत्रों के हवाले इन प्लॉट नंबरों पर ही मिली थी खनन लीज प्लॉट सं॰ 372, 386, 388, 390, 391, 448, 449, 456, 458, 459, 460, 461 एवं 463 पर ही प्रदान की गई थी पर उक्त क्षेत्र को छोड़कर आरोप है कि निर्धारित लीज क्षेत्र तक सीमित न रहते हुए इन प्लॉटों से बाहर लगभग 27 बीघा अतिरिक्त भूमि में अवैध रूप से पत्थर खनन कर लिया गया, जो खनन नियमों और कानून का खुला उल्लंघन है। पूर्व मे 29 जुलाई 2025 को हुई थी , मापी जिसे रफा दफा करने की हुई थी कवायद और अधिक जानकारी मे सूत्र बताते हैं कि दिनांक 29-07-2025 को माइनिंग विभाग द्वारा खदान की मापी कराई गई थी, जिसमें गैर-लीज क्षेत्र में अवैध खनन की पुष्टि होने की खबरें सामने आयी थी परन्तु मामले पर लीपा पोती जैसा दोहरा मापदंड अपनाया और मापी प्रतिवेदन सार्वजनिक नहीं की गई और न अवैध खनन के विरुद्ध कड़ी कारवाई सुनिश्चित की गई सूत्रों ने बताया है की विगत 18/12/2025 को हुई मापी को रफा दफा किये जाने की सेटिंग गेटिंग भीतर खाने जारी है स्थानीय लोगों के अनुसार फिर खनन क्षेत्र की मापी कराई गई, लेकिन आरोप है कि उस मापी के परिणामों को भी रफा दफा/करने की कोशिश की जा रही है, ताकि अवैध खनन को छुपाया जा सके और मामले को दबाया जा सके आखिर खनन विभाग और ज़िला प्रशासन जब दूसरे मामलों मे डी जी एम एस और मजिस्ट्रेट से जांच करवा सकते है तो फिर सुंदरा पहाड़ी मे आलम को संगरक्षण किनके हाथ अब तो अंचल निरीक्षक का भी तबादला हो चूका है शायद नये सी आई की कलम से दूसरी रिपोर्ट ना तैयार हो जाएं

पाकुड़ ज़िलें मे डी एम एफ टी योजनाओं पर विभाग का निरिक्षण नदारद -अजहर इस्लाम

पाकुड़ । पाकुड़ प्रखंड के जानकी नगर मे बने मैरेज हॉल जिसकी लागत 99 लाख के करीब है जिसका निर्माण साल भर से ज्यादा है एवं इस मैरेज हॉल को अभी तक ग्रामीणों के सुपुर्द नहीं किया गया है जिनसे उक्त योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है इस प्रकार डी एम एफ टी फंड से निर्मित मैरेज हॉल की गुणवत्ता पर भी सवाल खडे किये जा रहे है इस मामले पर पूर्व एन डी ए प्रत्याशी सह समाजसेवी अजहर इस्लाम ने आवाज़ बुलंद की है उन्होंने सीधे तौर पर इसकी जवाबदेही पाकुड़ ज़िला प्रशासन के ऊपर लगाई है उन्होंने मीडिया के सामने बयान दिया है की जिस डी एम एफ टी फंड की निर्माण योजनाओं की स्वीकृति ज़िला प्रशासन की सहमति से होती है ठीक उसी तरह से योजनाओं की निरिक्षण और उनकी उप योगिता की जांच भी जरुरी है पर इसकी जांच होती है ना इसकी गुणवत्ता की जांच आखिर इस योजनाओं पर कमीशन का ग्रहण के कारण ही इसकी निरिक्षण या जांच दोनों प्रभावित हो रही है उन्होंने स्पष्ट कहा है ज़िला प्रशासन इस मैरेज हॉल को अविलम्ब हैंड ओवर करवाते हुए इस मैरेज हॉल की गुणवत्ता की भी जांच सुनिश्चित करवाये ताकि ग्रामीणों का इस मैरेज हॉल से लाभ हो

राजमहल थाना परिसर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता शपथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहेबगंज, राजमहल । जिले के राजमहल थाना परिसर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता प्रतिज्ञा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी, अन्य पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ पुलिस बल के जवानों ने मतदाता प्रतिज्ञा कार्यक्रम का शपथ ग्रहण किया। इस दौरान सभी ने एक सुर में कहा कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को मनाएं रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस मौके पर थाना प्रभारी हसनैन अंसारी के अलावा अन्य पुलिस पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हिरनपुर अंचल के तालपाहाड़ी मे अवैध खनन पर कारवाई के नाम पर ठेंगा

संवाददाता

पाकुड़ । पाकुड़ जिलें मे हिरनपुर अंचल अधीन राजस्व गांव की कहानी आइये आप सभी को एक खास और अद्भुत तरकीब की बदौलत कितनी अवैध खनन और कितनी राजस्व की लूट को अंजाम दिया गया है आइये एक काला सच को इस रंगीन रात मे पढ़ने का आनद लीजिए और इसका विश्लेषण करें जब सिस्टम अधिकारी के हाथो मे है फिर भी अवैध कृत्यो को संगरक्षण क्यो और कैसे? मौजा ताल पहाड़ी मे स्वीकृत खनन लीज का विवरण दिनांक 06.01.2020 कोमौजा तलपहाड़ी (संख्या–115), थाना–हिरणपुर में 6.97 एकड़ (2.82 हेक्टेयर) क्षेत्रफल हेतु स्वीकृत की गई तथा दूसरी खनन लीज दिनांक 09.01.2024 को मौजा तालपहाड़ी-संख्या–115 थाना–हिरणपुर में 3.04 एकड़ (1.23 हेक्टेयर) क्षेत्रफल हेतु प्रदान की गई इस प्रकार लीजधारी को कुल 10.01 एकड़ भूमि पर ही वैधानिक खनन की अनुमति है परन्तु इस लीज़

धारी ने एक गहरी साजिश के तहत लीज क्षेत्र से बाहर बड़े पैमाने पर अवैध खनन को अंजाम देने की नियत अपनाया और उपरोक्त दोनों स्वीकृत लीज क्षेत्रों को प्लाट को अपना जमींदारी समझकर छोड़ कर रखे और उनके सटे हुए प्लाट लीज सीमा से बाहर कम से कम 15–16 प्लॉटों में अवैध रूप से खनन किया गया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लगभग 25–30 बीघा भूमि पर गैरकानूनी खनन किया जा चुका है, जो पूर्णतः लीज़ शर्तों एवं खनन

» नूरजमान शेख और इशाक शेख ने तोड़ दी अवैध खनन की सभी रिकॉर्ड बड़े पैमाने पर किया अवैध खनन सरकार को करोड़ों का लगाया चुना
» उत्पादन क्षमता अधिक की होती क्रेशर मे उत्पादन

अधिनियम का उल्लंघन है साथ साथ करोड़ों रुपये की रॉयल्टी चोरी पिछले 1–2 वर्षों के भीतर करोड़ों रुपये मूल्य के पत्थरों का उत्खनन एवं परिवहन किया गया है, जबकि इसके विरुद्ध सरकारी रिकॉर्ड में रॉयल्टी शून्य या नाममात्र दर्शाई गई है। इससे स्पष्ट है कि सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व की क्षति पहुँचाई गई है साथ ही दिन-रात अवैध खनन एवं ब्लास्टिंग खनन कार्य दिन-रात (24 घंटे) भारी मशीनों, ड्रिलिंग एवं अवैध ब्लास्टिंग के माध्यम से किया गया है, जो खनन नियमों, पर्यावरणीय कानूनों एवं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है प्राप्त जानकारी एवं तकनिकी सैटेलाइट इमेज से स्पष्ट प्रमाण सैटेलाइट इमेज के माध्यम से लीज सीमा से बाहर किए गए खनन को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिसे खनन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी अपने कार्यालय में बैठे-बैठे सत्यापित कर सकते हैं। इसके बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई न होना गंभीर लापरवाही अथवा संरक्षण की ओर संकेत करता है जो एक भ्रष्टाचार, आय से अधिक धन एवं राजनीतिक संरक्षण को स्पष्ट दर्शाता है अवैध खनन को संरक्षण देने हेतु खनन विभाग के कुछ पदाधिकारियों ने अवैध लाभ पहुँचाया है अवैध खनन से अर्जित धन से महंगी इमारतों का निर्माण, लाखों रुपये की जमीन की खरीद तथा 7–8 लग्ज़री वाहनों की प्राप्ति की गई है, जो आय से अधिक संपत्ति का गंभीर संकेत है। साथ ही राजनीतिक प्रभाव के दुरुपयोग द्वारा इस अवैध गतिविधि को निरंतर जारी रखा गया है। इस मामले पर जिला प्रशासन की चुप्पी और कारवाई दिखाई देगी या इनकी शिकायत अब ऊपरी मंजिल तक पहुचानी होंगी बड़ी विकट स्थिति है खैर इस मामले पर जिला प्रशासन की चुप्पी भी बड़ी संकेत दे रहे है

एसपी राजकुमार मेहता ने सरस्वती पूजा पंडालों का किया निरीक्षण, शांति व्यवस्था को लेकर सुरक्षा व्यवस्था सख्त

संवाददाता

जामताड़ा ।जामताड़ा में सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता द्वारा नारायणपुर एवं करमाटांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न सरस्वती पूजा पंडालों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूजा समितियों और स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने की अपील की तथा आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। जामताड़ा एसपी ने पर्व के नाम पर किसी भी तरह की अशांति, हुड़दंग या सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत पुलिस पदाधिकारियों एवं बलों की व्यापक प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी पूजा पंडालों में पुलिस मित्रों को टोपी का वितरण किया गया है, वहीं लगातार गश्त के लिए बाइक दस्ता भी तैनात किया गया है।सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से विशेष परिस्थिति से निपटने के लिए 08 क्यूआरटी (QRT) दल का गठन किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन की इस सक्रियता से आम लोगों में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है और सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का माहौल बनता दिख रहा है

बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा पर उपायुक्त ने दी जिलेवासियों को शुभकामनाएँ

संवाददाता

पाकुड़ ।उपायुक्त मनीष कुमार ने बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर समस्त जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।* अपने शुभकामना संदेश में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि ऋतुराज बसंत का आगमन उल्लास, नवीनता एवं सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। इस अवसर पर लोग पूरे श्रद्धा एवं उत्साह के साथ ज्ञान, बुद्धि एवं विवेक की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा- आराधना करते हैं। यह पर्व भारतीय संस्कृति में ज्ञान, संस्कार, सृजनशीलता एवं सद्भाव का महत्वपूर्ण संदेश देता है। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील किया कि वे इस पावन पर्व को आपसी सौहार्द, शांति एवं भाईचारे के वातावरण में मनाएँ तथा सामाजिक समरसता को और अधिक सुदृढ़ करें। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा का यह पावन पर्व समस्त जिलेवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली लेकर आएगा।

परियोजना निदेशक, आईटीडीए एवं अपर समाहर्ता ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम का किया निरीक्षण

संवाददाता

पाकुड़ ।आगामी गणतंत्र दिवस–26 जनवरी 2026 के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का एवं अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम, पाकुड़ का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान आयोजन स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया गया।निरीक्षण के क्रम में मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, परेड ग्राउंड की तैयारी, ध्वनि प्रणाली, विद्युत एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित समस्त बुनियादी तैयारियों की समीक्षा की गई। संबंधित पदाधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध, त्रुटिरहित एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान गणतंत्र दिवस पर निकाली जाने वाली झांकियों की तैयारी एवं आयोजन स्थल की साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर नगर परिषद के पदाधिकारी को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। परियोजना निदेशक ने कहा कि स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं झांकी प्रस्तुति में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। गणतंत्र दिवस का आयोजन राष्ट्रीय गरिमा, अनुशासन और उत्साह के अनुरूप होना चाहिए, ताकि जिलेवासियों को एक भव्य, सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायी समारोह का अनुभव प्राप्त हो। निरीक्षण के दौरान विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, मुख्यालय डीएसपी जितेन्द्र कुमार, प्रशासक, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार एवं पाकुड़ अंचलाधिकारी कुमार अरविन्द बेदिया समेत अन्य उपस्थित थे सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी तैयारियाँ पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

जामताड़ा मिहिजाम मुख्य मार्ग पर भीषण हादसा, कार और टोटो की टक्कर में एक ही परिवार के सात लोग घायल

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा मिहिजाम मुख्य मार्ग पर बोदमा के समीप सोमवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें टोटो और कार की आमने-सामने की भिड़ंत में टोटो सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर के बाद टोटो सड़क से नीचे पलट गई, जबकि कार घूमते हुए विपरीत दिशा में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जामताड़ा की ओर से मिहिजाम जा रही काली सेडान कार तेज रफ्तार में थी और विपरीत दिशा से आ रही टोटो को सीधी टक्कर मार दी। टोटो में महिलाएं और बच्चे सवार थे, जो वाहन के नीचे दब गए। घटना के बाद मौके पर

अफरा-तफरी मच गई। संयोगवश उसी समय नगर पंचायत जामताड़ा के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खण्डैत वहां से गुजर रहे थे।उनके साथ नगर प्रबंधक निर्मल आशीष, महफूजुर रहमान तथा चालक मनोज मरांडी भी मौजूद थे। सभी ने स्थानीय लोगों के सहयोग से तत्परता दिखाते हुए टोटो में फंसे महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल टोटो चालक और बच्चों को तत्काल सरकारी वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी मिहिजाम, थाना प्रभारी जामताड़ा एवं मिहिजाम को दी गई। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस और स्थानीय थाना की टीम मौके पर पहुंची और शेष घायलों को अस्पताल ले जाया गया। सभी घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। वही सिविल सर्जन स्वयं अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई के कारण समय रहते सभी घायलों को चिकित्सा सुविधा मिल सकी, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई।

नाला प्रखंड में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनी बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा की रही भव्य धूम

संवाददाता

जामताड़ा। नाला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत टेसजुरिया सहित विभिन्न गांवों में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा पूरे श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। सुबह से ही पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने मां सरस्वती की विधिवत आराधना कर विद्या, बुद्धि, विवेक और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जगह-जगह वैदिक मंत्रोच्चारण, आरती और भजन-कीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। वहीं टेसजुरिया गांव के पूजा पंडाल में आसपास के दर्जनों गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि, शिक्षा में प्रगति और परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। पूजा समिति के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। बसंत पंचमी के इस पावन अवसर पर क्षेत्र में आपसी सौहार्द, भाईचारे और सामाजिक एकता की भी सुंदर मिसाल देखने को मिली। शांतिपूर्ण माहौल में पूजा संपन्न होने से ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। कुल मिलाकर नाला प्रखंड क्षेत्र में बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का पर्व श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया।

पाकुड़ जिले के लिए गौरव का क्षणः महामहिम राष्ट्रपति करेंगे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार को सम्मानित

संवाददाता

पाकुड़ । पाकुड़ जिले के लिए गर्व का विषय है कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार को बेस्ट इलेक्शन डिस्ट्रिक्ट अवार्ड 2025 के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा 25 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सम्मानित किया जाएगा राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग ने इस पुरस्कार के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रियाओं में उत्कृष्टता, नवाचार और समर्पित प्रयास को मान्यता दी है। यह उपलब्धि जिले के समर्पित चुनाव अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत, प्रतिबद्धता और टीमवर्क का परिणाम है इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि यह सम्मान केवल मेरे लिए नहीं, बल्कि पूरे पाकुड़ जिले के समर्पित चुनाव अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए गौरव का विषय है। इस सफलता का श्रेय बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, ईआरओ, एईआरओ सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सतत मेहनत और प्रतिबद्धता को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि

» बेस्ट इलेक्शन डिस्ट्रिक्ट अवार्ड 2025

मैं अपने समस्त सहयोगियों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। यह पुरस्कार हमारे जिले को लोकतंत्र की उत्कृष्टता और नवाचार के क्षेत्र में एक नए मुकाम तक ले जाने का प्रेरक अवसर है

नगर निकाय चुनाव में नई हलचल, सरस्वती पूजा पर बड़ी राजनीतिक एंट्री, नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आशा गुप्ता ने किया चुनावी ऐलान

संवाददाता

जामताड़ा ।जामताड़ा में आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर सियासी माहौल तेजी से गर्माता जा रहा है और संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है इसी कड़ी में सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर नगर पंचायत चुनावी राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है जामताड़ा के प्रतिष्ठित समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशा गुप्ता ने नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी का औपचारिक ऐलान कर दिया शुक्रवार को अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के माध्यम से उन्होंने चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा की इस दौरान शहर के अनेक समाजसेवी बुद्धिजीवी और व्यवसायी वर्ग के लोग मौजूद रहे

कार्यक्रम में बार एसोसिएशन अध्यक्ष मोहनलाल बर्मन राजा नृत्य गोपाल सिंह सहित कई प्रमुख हस्तियों ने मंच साझा किया और आशा गुप्ता को समर्थन देने का सार्वजनिक ऐलान किया प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मोहनलाल बर्मन ने कहा कि आशा गुप्ता एक शिक्षित संवेदनशील और सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं जिन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया है उन्होंने बताया कि आशा गुप्ता बीएड उत्तीर्ण हैं और केवल पारिवारिक दायरे तक सीमित न रहकर समाज के हर वर्ग से जुड़कर काम करती रही हैं छठ घाटों की सफाई गरीबों के बीच खाद्यान्न वितरण ठंड के मौसम में कंबल वितरण सहित कई सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है इस कारण समाज के लोगों ने उन्हें नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर आशा गुप्ता ने नगर के विकास को लेकर 11 सूत्री विकास एजेंडा भी प्रस्तुत किया जिसमें हर वार्ड के लिए अलग अलग विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है इसमें स्वच्छ पेयजल सड़क और नाली निर्माण नियमित सफाई कचरा प्रबंधन स्ट्रीट लाइट महिलाओं की सुरक्षा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर गरीबों तक योजनाओं की पहुंच पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार मुक्त नगर पंचायत की अवधारणा को प्राथमिकता दी गई है अपनी दावेदारी को लेकर आशा गुप्ता ने कहा कि अब नगर पंचायत चुनाव परिवर्तन का माध्यम बनेगा और वर्षों से चली आ रही अव्यवस्था कुशासन और भ्रष्टाचार से जामताड़ा को मुक्ति दिलाना उनका लक्ष्य है उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ लड़ाई नहीं बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाना है उन्होंने कहा कि वे एक समरस विकसित और समान अवसरों वाले समाज का निर्माण करना चाहती हैं जहां हर नागरिक को सम्मान और विकास का अधिकार मिले प्रेस वार्ता में मौजूद समाजसेवियों और बुद्धिजीवियों ने भी उनके सामाजिक कार्यों और विकास दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि यदि जनता उन्हें अवसर देती है तो जामताड़ा नगर पंचायत को एक नई दिशा और नई पहचान मिल सकती है अब आने वाले चुनाव में यह देखना अहम होगा कि जनता इस बदलाव के संदेश को किस रूप में स्वीकार करती है

जामताड़ा नगर पंचायत चुनावः आशा गुप्ता ने अध्यक्ष पद के लिए ठोकी दावेदारी, 15 वर्षों के 'कुशासन' और भ्रष्टाचार को खत्म करने का लिया संकल्प

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा नगर निकाय चुनाव को लेकर चुनावी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। संभावित प्रत्याशियों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है, जिससे शहर की राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी कड़ी में सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर जामताड़ा की जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता और समाजसेवी तरुण कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी आशा गुप्ता ने नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी की औपचारिक घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपने

आवासीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान आशा गुप्ता ने अपनी प्राथमिकताओं और विजन को साझा किया। इस मौके पर समाज के विभिन्न वर्गों, बुद्धिजीवियों और गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर उन्हें अपना समर्थन दिया। प्रेस वार्ता में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहनलाल बर्मन, राजा नृत्य गोपाल सिंह सहित शहर के कई प्रबुद्ध नागरिक और व्यवसायी मौजूद रहे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहनलाल बर्मन ने आशा गुप्ता की दावेदारी का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा, "आशा गुप्ता केवल एक गृहिणी नहीं, बल्कि एक उच्च शिक्षित (B.Ed. उत्तीर्ण) और संवेदनशील महिला नेत्री हैं। उन्होंने हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा की है। चाहे छठ घाटों की सफाई हो, गरीबों के बीच राशन बांटना हो या ठंड में कंबल वितरण, वे हमेशा आगे रही हैं। उनकी इसी कार्यशैली को देखते हुए जनता ने उन्हें चुनावी मैदान में उतरने के लिए प्रेरित किया है।"

चुनाव के लिए आशा गुप्ता ने अपना 11-सूत्री विकास एजेंडा भी जनता के सामने रखा। उनके विजन में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं:

स्वच्छ पेयजल की सुनिश्चित व्यवस्था।

भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी प्रशासन।

हर वार्ड में व्यवस्थित सड़क और नालियों का निर्माण।

बेहतर कचरा प्रबंधन और नियमित साफ-सफाई।

स्ट्रीट लाइट और महिलाओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम।

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर।

अपनी दावेदारी पेश करते हुए आशा गुप्ता ने वर्तमान व्यवस्था पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "पिछले 15 वर्षों से जामताड़ा नगर पंचायत में कुशासन, भय और भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। अब समय आ गया है कि इस व्यवस्था को बदला जाए। मेरी लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि उस सिस्टम से है जिसने जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरसाया है।" उन्होंने आगे कहा कि उनका लक्ष्य एक ऐसे जामताड़ा का निर्माण करना है जहाँ जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर सबका साथ और सबका विकास हो। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे एक नए और विकसित जामताड़ा के निर्माण के लिए इस बदलाव की यात्रा में उनका साथ दें। नगर निकाय चुनाव की तारीखों के करीब आते ही आशा गुप्ता की इस मजबूत दावेदारी ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। शिक्षित उम्मीदवार और स्पष्ट विजन के साथ मैदान में उतरी आशा गुप्ता को मिल रहे जनसमर्थन ने विपक्षी खेमे में हलचल पैदा कर दी है। अब देखना यह होगा कि उनका 11-सूत्री एजेंडा जामताड़ा की जनता के दिलों में कितनी जगह बना पाता है।

कुंडहित प्रखंड में माँ सरस्वती की पूजा की धूमः मंत्रोच्चार और भक्ति के साथ शैक्षणिक संस्थानों में विराजीं माँ शारदे

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को कुडहित प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा अर्चना पूरे श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ की गई। प्रखंड के विभिन्न स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों और पूजा समितियों में 'हंसवाहिनी' की प्रतिमा स्थापित कर छात्रों ने सुखद भविष्य और ज्ञान का आशीर्वाद माँगा।

विद्या की देवी की आराधना को लेकर सुबह से ही विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखा गया। प्रखंड के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में पूजा का भव्य आयोजन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से:

शारदा कोचिंग सेंटर

सिंह वाहिनी प्लस टू उच्च विद्यालय

प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय

मॉडर्न पब्लिक आवासीय विद्यालय

आदर्श मध्य विद्यालय

इन सभी विद्यालयों में शिक्षकों और छात्रों ने सामूहिक रूप से पुष्पांजलि अर्पित की और आरती में भाग लिया। केवल विद्यालयों में ही नहीं, बल्कि विभिन्न युवा संगठनों और क्लबों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। बरमसिया मोड़ पर अनंत मंडल एवं उनके सहयोगियों द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण किया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। क्षेत्र के कई गाँवों में एक साथ कई स्थानों पर पूजा पंडाल बनाए गए थे, जहाँ माँ सरस्वती की आकर्षक प्रतिमाओं को विशेष रूप से सजाया गया था। पूजा को लेकर महिलाओं और युवाओं में भी खासा उत्साह दिखा। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे छात्र-छात्राएं हाथों में पूजा की थाली लिए पंडालों की ओर जाते दिखाई दिए। पूरे क्षेत्र में सुबह से ही सरस्वती वंदना और भक्ति गीतों की गूँज सुनाई दी, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सरस्वती पूजा का यह पर्व न केवल

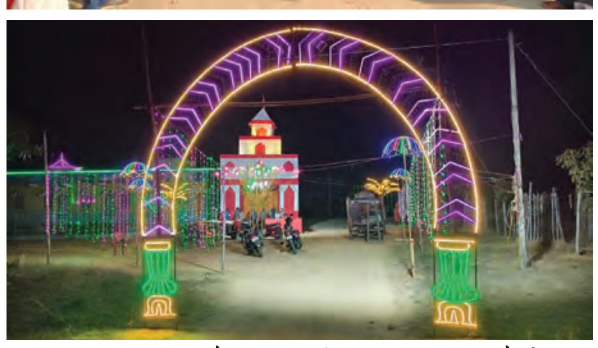

धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का भी एक सशक्त माध्यम है। देर शाम तक विभिन्न पंडालों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही।

कुंडहित में 'सिझानो' पर्व की धूमः चूल्हा विश्राम की अनूठी परंपरा, आसमान छूते दामों के बावजूद मछली की जमकर हुई खरीदारी

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। जामताड़ा जिले के कुडहित प्रखंड में शुक्रवार को बंगाली समुदाय का पारंपरिक और लोकप्रिय 'सिझानो' पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष पर्व को लेकर मुख्यालय से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में भारी चहल-पहल देखी गई। परंपरा के अनुसार, इस दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता है, जिसे लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह रहा। सिझानो पर्व में मछली का विशेष महत्व होता है। यही कारण रहा कि शुक्रवार को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ तालाबों के किनारे और सड़कों पर लगे अस्थायी स्टॉलों पर मछली खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मांग इतनी अधिक थी कि मछली के दाम 200 रुपये से लेकर 400 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए। इसके बावजूद, परंपरा का निर्वहन करने के लिए लोगों ने ऊंचे दामों पर भी जमकर मछली की खरीदारी की। मान्यता के अनुसार, सरस्वती पूजा के अगले दिन मनाए जाने वाले इस पर्व में 'अग्निदेव' की आराधना की जाती है और उन्हें सम्मान देते हुए चूल्हे को विश्राम दिया जाता है। इस दिन घर में आग नहीं जलाई जाती है। पर्व के लिए सभी आवश्यक पकवान और भोजन सामग्री एक दिन पहले (सरस्वती पूजा के दिन) ही तैयार कर ली जाती है। दूसरे दिन इसी बासी भोजन को 'प्रसाद' के रूप में ग्रहण करने की प्राचीन परंपरा है। प्रखंड मुख्यालय

के साथ-साथ बनकाटी, पालाजोड़ी, नगरी, भागाहीड, बागडेहरी, अंबा सहित दर्जनों बंगाली बहुल गांवों में इस पर्व को लेकर सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। बाजारों में केवल मछली ही नहीं, बल्कि आवश्यक सब्जियों और अन्य सामग्रियों की भी खूब बिक्री हुई। सिझानो पर्व न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह बंगाली समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति व अग्नि के प्रति उनके सम्मान को भी दर्शाता है। देर शाम तक बाजारों में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कुडहित में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती की धूमः भेलूवा से मुख्यालय तक गूंजे देशभक्ति के तराने

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का उद्घोष करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती शुक्रवार को कुडहित प्रखंड क्षेत्र में पूरे हर्षोल्लास और गौरव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सामाजिक, राजनीतिक और छात्र संगठनों ने उन्हें नमन किया, वहीं स्कूलों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए देशप्रेम की अलख जगाई गई। शुक्रवार की सुबह जैसे ही सूर्य की किरणों ने धरती को छुआ, पूरा क्षेत्र देशभक्ति के गीतों से गुंजायमान हो उठा। भेलूवा गांव में ग्रामीणों ने एकजुट होकर नेताजी की जयंती मनाई। यहाँ आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक अनंत लाल मंडल सहित कई गणमान्य लोगों ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने नेताजी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।प्रखंड मुख्यालय स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में भी जयंती समारोह की भव्यता देखते ही बनी। प्रधानाध्यापक भजहरी मंडल के नेतृत्व में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और नाटकों ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। कुडहित हठिया परिसर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आदमकद प्रतिमा पर भी सुबह से ही श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों का ताँता लगा रहा। स्थानीय समाजसेवियों और नागरिकों ने यहाँ माल्यार्पण कर नेताजी के बलिदान को याद किया और उनके बताए शौर्य के मार्ग पर चलने की बात कही।

मौके पर उपस्थित गणमान्य

भेलूवा में: सेवानिवृत्त शिक्षक अनंत लाल मंडल के साथ नंदलाल माजी, निखिल माजी, स्वपन कुमार राय, मथुर चंद्र मंडल, विजय माजी और चंडी चरण मंडल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में: प्रधानाध्यापक भजहरी मंडल, शिक्षक जाकिर अंसारी, सुधीर सेन, सुबोध कर, शिखा चौधरी, गोपीनाथ मंडल, समीर किशोर पाल और धनंजय मंडल सहित अन्य कर्मचारी व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

नेताजी की जयंती पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने न केवल नई पीढ़ी को देश के इतिहास से रूबरू कराया, बल्कि पूरे कुडहित प्रखंड में एकता और राष्ट्रवाद का संदेश भी प्रसारित किया।

झामस का 12 फरवरी को 'भारत बंद' का आह्वानः 750 न्यूनतम मजदूरी और बटाईदारी किसानों के हक के लिए सड़कों पर उतरेंगे मजदूर

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित/चंदन मंडल । झारखंड ग्रामीण मजदूर सभा (झामस) ने विभिन्न श्रमिक व किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। शुक्रवार को जामताड़ा जिले के कुण्डहित प्रखंड अंतर्गत अमलादही पंचायत के फराकुशूम गांव में झामस की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस दौरान सदस्यता अभियान चलाने के साथ-साथ संघर्ष कोष के लिए बटाईदारी किसानों से धान का संग्रहण (कलेक्शन) किया गया। संगठन ने घोषणा की है कि आगामी 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित देशव्यापी श्रमिक हड़ताल और 'भारत बंद' को सफल बनाने के लिए झामस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए झामस के राष्ट्रीय कमेटी सदस्य सह जिला सचिव कामरेड सोमलाल मिर्धा ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आगामी 12 फरवरी को

झामस पूरी ताकत के साथ ग्रामीण गरीबों और मनरेगा मजदूरों के मुद्दों को लेकर प्रखंड स्तर पर प्रदर्शन करेगी, जिसके तहत 2 घंटे का चक्का जाम किया जाएगा।

झामस ने सरकार के समक्ष अपनी मांगों की लंबी सूची रखी है, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं:

श्रम कानूनः मजदूर विरोधी काले श्रम कोड को वापस लिया जाए और पुराने 44 श्रम कानूनों को बहाल किया जाए।

न्यूनतम मजदूरीः मनरेगा सहित सभी क्षेत्रों में न्यूनतम दैनिक मजदूरी 750 रुपये लागू की जाए।

रोजगार की गारंटीः ग्रामीण मजदूरों के लिए साल में 200 दिन काम और पेंशन की व्यवस्था हो।

मनरेगा में सुधारः मनरेगा से बिचौलियों, ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों का हस्तक्षेप तुरंत बंद हो।

बटाईदारी किसानों का हकः बटाईदारी किसानों को पहचान पत्र (प्रमाण पत्र) दिया जाए और उन्हें खाद, बीज, कृषि ऋण, बिजली व पानी की सुविधा मिले।

बीमा व सुरक्षाः प्रवासी मजदूरों के लिए कार्य सुरक्षा नीति बने और दुर्घटना की स्थिति में 10 लाख रुपये के बीमा की गारंटी हो। बटाईदारी किसानों को भी 10 लाख का दुर्घटना बीमा मिले।

बुनियादी सुविधाएंः ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, राशन और आवास की पक्की गारंटी दी जाए।

आंदोलन की तैयारी को लेकर आयोजित इस बैठक में झामस के जिला अध्यक्ष सर्वेश्वर टुडू, पवन टुडू, लादो मुर्मू, लखिंद मिर्धा, साहेबधन सोरेन, दियासी मरांडी, गिरीश हेंब्रम, सुनील मुर्मू, श्रीजल हेंब्रम, तपन मुर्मू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित थे। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 12 फरवरी का आंदोलन केवल एक शुरुआत होगी और आने वाले समय में इसे और भी उग्र रूप दिया जाएगा।

करमाटांड़ प्रखंड में सरस्वती पूजा की धूमः हेट करमाटांड़ के आकर्षक पंडाल और भव्य लाइटिंग ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

संवाददाता

जामताड़ा/करमाटांड़। विद्या की देवी माँ सरस्वती की आराधना का महापर्व बसंत पंचमी करमाटांड़ प्रखंड क्षेत्र में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्तिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रखंड के विभिन्न गांवों, विद्यालयों और क्लबों में स्थापित माँ शारदे की प्रतिमाओं के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहा। विद्यार्थियों और युवाओं ने माँ के चरणों में पुष्प अर्पित कर विद्या, बुद्धि और सुख-समृद्धि की कामना की। प्रखंड के हेट करमाटांड़ गांव में सरस्वती पूजा को लेकर इस वर्ष जबरदस्त उत्साह देखा गया। यहाँ के प्रमुख क्लबों बिंदास क्लब, नेताजी सुभाष संघ क्लब और विद्यासागर युवा समिति क्लब द्वारा आयोजित पूजा आकर्षण का केंद्र बनी रही। इन क्लबों द्वारा तैयार किए गए भव्य और आकर्षक पंडालों की सजावट ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हेट करमाटांड़ के पंडालों को आधुनिक और पारंपरिक शैली के अनूठे संगम से सजाया गया था। शाम ढलते ही रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा (लाइटिंग) से पूरा क्षेत्र जगमगा उठा, जिसे देखने के लिए न केवल स्थानीय बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुँचे। माँ सरस्वती की मनमोहक प्रतिमाओं और पंडाल की भव्यता के बीच वैदिक मंत्रोच्चारण और आरती-भजन से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पूजा समितियों के सदस्यों ने सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा। कतारबद्ध होकर लोगों ने माँ के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान समाज में आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारे की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि करमाटांड़ में सरस्वती पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि युवाओं की रचनात्मकता और एकजुटता का पर्व है। पूजा पंडालों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ माँ शारदे की विदाई और पूजा की रस्में संपन्न की गईं। कुल मिलाकर, करमाटांड़ प्रखंड क्षेत्र में बसंत पंचमी का त्यौहार अपनी भव्यता, आस्था और सांस्कृतिक छटा के कारण इस वर्ष भी यादगार रहा।

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन हो सकता है नुकसानदायक

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है। ऐसे में सर्दियों के दिनों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए हल्दी वाले दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। हल्दी वाला दूध सर्दी-जुकाम और संक्रामक रोगों से बचाव में असरदार होता है। लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

जी हां, आपको बता दें कि सर्दियों में अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का खूब सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

डीटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है

पानी शरीर में डीटॉक्स करने में बेहद कारगर है, जिससे शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। दिन भर हमारे शरीर में पर्यावरण एवं भोजन आदि के माध्यम से कई तरह के टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं। मल, मूत्र एवं पसीने के जरिए इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकाला जाता है, इसे डीटॉक्सिफिकेशन कहते हैं। पसीना आने से शरीर का तापमान भी सामान्य बना रहता है। गर्मियों में अक्सर हम ज्यादातर समय घर के अंदर बिताते हैं, हम एसी में रहते हैं, ऐसे में दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत महत्वपूर्ण है। वे लोग जो कम पानी पीते हैं, उनका यूरीन सैचुरेटेट होता है और कई बार इसमें स्टोन बनने की संभावना भी हो जाती है। यूरीन को डाइल्यूट करने और साथ ही स्टूल्स (मल) को सामान्य बनाए रखने के लिए भी उचित मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, रक्त की सामान्य संरचना को बनाए रखने के लिए भी पानी का सेवन सही मात्रा में करना जरूरी है। रक्त शरीर के सभी अंगों तक पोषक तत्व पहुंचाता है। यह शरीर की उर्जा बढ़ाता है और मैटाबोलिक रेट बढ़ाकर मानसिक थकान दूर करता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलोजी एण्ड मैटाबोलिज्म द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार 500 एमएल पानी पीने से मैटाबोलिज्म की दर 30 फीसदी तक बढ़ जाती है। कुछ शहरों में खारा पानी होता है, ऐसे स्थानों पर पानी को साफ करके पीना चाहिए। पानी को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे 10 मिनट के उबालें। जहां पानी उबालना संभव न हो, वहां उपभोक्ता का जागरुक होना जरूरी है। उन्हें पानी की गुणवत्ता की जांच कर सुनिश्चित करना चाहिए वे सुरक्षित पेयजल का ही सेवन करें। इससे आप स्वस्थ, हाइड्रेटेड रहेंगे और अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकेंगे।

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका:

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

पाचन में मदद करता है और मुख के स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

आयुर्वेद के अनुसार सर्दियों में इन वजहों से खाना चाहिए तिल-गुड़

आयुर्वेद सेहतमंद रहने के लिए मौसम, शरीर की प्रकृति और उम्र के हिसाब से खान-पान का चुनाव करने पर जोर देता है। गर्मियों में शरीर को ठंडक देने वाली चीजें खानी चाहिए। वहीं, सर्दियों में उन चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए, जो शरीर को अंदर से गर्मी दे सकें। सर्दियों में तिल-गुड़ खाना आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है। इन दोनों की तासीर गर्म होती है और आयुर्वेद के अनुसार, यह सर्दियों में स्वास्थ्य को कई तरीकों से लाभ पहुंचा सकते हैं। सर्दी के समय पर बनने वाली गजक और लड्डुओं में इन दोनों चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। ये दोनों चीजें टेस्टी ही नहीं, बल्कि हेल्दी भी होती हैं। सर्दियों में तिल-गुड़ क्यों खाना चाहिए, इस बारे में हमने आयुर्वेदिक डॉक्टर से बात की।

सर्दियों में तिल-गुड़ खाने के फायदे

- तिल और गुड़ दोनों की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्माहट पहुंचाते हैं।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दियों में इन दोनों चीजों को साथ में खाने के कई फायदे हैं।
- खासकर, मकर संक्रान्ति के आस-पास तिल-गुड़ का सेवन सेहत के लिहाज से भी अच्छा है।
- इस समय पर सर्द हवाएं चलती हैं लेकिन साथ ही सूरज की किरणों में भी थोड़ी तेजी आने लगती है। इसकी वजह से शरीर में वात दोष बढ़ने लगता है और स्किन ड्राई हो जाती है।
- इसे दूर करने के लिए तिल और गुड़ खाना फायदेमंद होता है।
- तिल और गुड़ में पाए जाने वाले थर्मोजेनिक गुणों की वजह से ये शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं।
- तिल के बीज बालों की ग्रोथ और स्किन हेल्थ को सुधारते हैं।
- इनमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है।
- गुड़ में मौजूद डाइजेस्टिव एंजाइम्स, तिल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स को अब्जॉर्ब करना आसान बनाते हैं क्योंकि तिल के बीजों को अकेले पचा पाना मुश्किल होता है।
- तिल के बीजों में मैग्नीशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। इनसे बीपी कंट्रोल में रहता है और दिल भी सेहतमंद रहता है।
- तिल में बीजों में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम की वजह से ये हड्डियों के लिए बहुत अच्छे होते हैं और सर्दियों में तिल-गुड़ खाने से जोड़ों में दर्द से बचा जा सकता है।
- इन दोनों से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।
- गुड़ खून की कमी को भी दूर करता है। जिन महिलाओं को एनीमिया है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए।
- सर्दियों में तिल-गुड़ को डाइट में शामिल कर आप स्वाद के साथ सेहत को भी बेहतर बना सकते हैं।

न जिम-न डाइटिंग, सिर्फ 1 चुटकी हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर पुलिस में फेरबदल, दो अधिकारियों को नई जिम्मेदारी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस महकमे में फेरबदल किए गए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिनका तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है।

पुलिस निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह को मुजफ्फरपुर का नगर थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे सदर थाने में पर्यवेक्षी पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थे। नगर थाने की कमान संभालने के बाद उन पर शहरी अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की अहम जिम्मेदारी होगी।

वहीं, पुलिस निरीक्षक शरत कुमार को पुलिस केंद्र से सदर थाना का पर्यवेक्षी पदाधिकारी बनाया गया है। उन्होंने अंजनी कुमार सिंह का स्थान लिया है। पुलिसिंग की मुख्यधारा में उनकी वापसी से सदर क्षेत्र के मामलों के पर्यवेक्षण में तेजी आने की उम्मीद है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि ये नियुक्तियां कार्यकुशलता बढ़ाने और रिक्त पदों को भरने के लिए की गई है। एसएसपी ने दोनों अधिकारियों को तत्काल अपने नए पदों पर योगदान देने और कार्यभार संभालने का निर्देश दिया है।

भागलपुर में 274 लीटर विदेशी शराब बरामद, कार और पिकअप जब्त

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर जिले के रंगरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। 274।32 लीटर विदेशी शराब के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नवगछिया की ओर एक सफेद रंग की पिकअप और एक कार के जरिए भारी मात्रा में शराब ले जाई जा रही है। इस सूचना के बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम ने चापर मोड़ के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया।

जांच अभियान के दौरान संदिग्ध पिकअप और कार जैसे ही मौके पर पहुंची, पुलिस को देखकर ड्राइवर वाहन सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार को रोक लिया और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से कुल 274।32 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से कार सवार तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसकी पहचान रंगरा निवासी निशांत कुमार, प्रणय कुमार सिंह और झंडापुर के मेराज मंजूर के तौर पर हुई है। इस मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2018 की धारा 30(ए) के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और फरार पिकअप चालक की भी पहचान की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। किसी भी कीमत पर तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा।

बौद्ध महोत्सव 2026 का भव्य उद्घाटन

बॉलीवुड सिंगर जावेद अली ने

सुपरहिट गानों से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

गया, एजेंसी। बिहार के बोधगया में 22 जनवरी 2026 की शाम से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ हो गया. कालचक्र मैदान में आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन उच्च स्तरीय अतिथियों की मौजूदगी में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, श्रद्धालु और पर्यटक शामिल हुए.

पहले दिन की शाम जावेद अली के नामः महोत्सव का मुख्य उद्देश्य भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को बढ़ावा देना और विभिन्न देशों की सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर प्रस्तुत करना है. पहले दिन की शाम बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक जावेद अली के नाम रही, जिनकी सुरीली आवाज ने पूरा माहौल मंत्रमुग्ध कर दिया.

जावेद अली ने बांधा संगीत का जादूः सिंगर जावेद अली ने अपनी मखमली और सुरीली आवाज से दर्शकों का दिल जीत लिया. उन्होंने 'तू मेरी अधूरी प्यास ', 'कहने को जश्ने-ए-बहारा है ', 'क्योंकि तू है दिल की मंजिल ', 'तू धड़कन में' और 'बजरंगी भाईजान' के सुपरहिट गानों के अलावा देशभक्ति गीत 'मां तुझे सलाम' जैसी धुनें गाकर दर्शकों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया. जावेद अली ने कुल दस से अधिक लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए, जिससे हर उम्र के दर्शक खूब उत्साहित नजर आए. विदेशी कलाकारों की पारंपरिक प्रस्तुतियांः जावेद अली के मंच पर आने से पहले वियतनाम और थाईलैंड के कलाकारों ने अपनी

पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने दर्शकों को आकर्षित किया. थाईलैंड के 15 सदस्यीय दल ने बुन महाचट या बुन फावेट परंपरा के नृत्य का प्रदर्शन किया, जो भगवान बुद्ध के राजकुमार वेसंतरा अवतार की याद में मनाया जाता है. वियतनाम के कलाकारों ने मास्क डांस (मखौटा नृत्य) की शानदार प्रस्तुति दी, जिसमें दो कलाकारों ने मंत्रमुग्ध करने वाला प्रदर्शन किया.

उत्साही भीड़ और प्रशंसकों का जोश, अधिकारी भी झूमे

महोत्सव में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, अधिकारी और उनके परिवार शामिल हुए. जावेद अली की प्रस्तुति सुनने के लिए अधिकारी और उनके परिवार अंत तक डटे रहे, कई बार तो वे भी हाथ थपथपाते नजर आए. दर्शकों का उत्साह इस कदर था कि प्रोग्राम के अंतिम समय में भीड़ ने जावेद अली से और गाने की मांग की, जिससे कालचक्र मैदान देर रात तक उनकी सुरीली आवाज से गूंजता रहा.

- **मंच पर युवती की सेल्फी के लिए चढ़ाई :** जावेद अली की परफॉर्मेंस के चरम पर एक उत्साही युवती मंच पर चढ़ गई और उनसे सेल्फी लेने की कोशिश की. महिला पुलिस बल ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे सुरक्षित उतारा. जावेद अली से मिलने और फोटो खिंचवाने के लिए युवक-युवतियों की बड़ी संख्या बार-बार प्रयास करती रही, जिस कारण जिला पुलिस और प्रशासन को कुछ समय के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. यह घटना दर्शकों के जोश और कलाकार की लोकप्रियता का प्रमाण बनी.
- **विभिन्न देशों की सांस्कृतिक झलक :** यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव विभिन्न देशों के कलाकारों की प्रस्तुतियों से समृद्ध रहा. थाईलैंड और वियतनाम के अलावा अन्य देशों के कलाकार भी शामिल हैं, जो बौद्ध संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रूप में पेश कर रहे हैं. महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ अन्य आकर्षण भी हैं, जो बोधगया को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत बनाएंगे. पहले दिन की सफलता से स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में भी यह उत्सव और भव्य होगा.
- **दर्शकों का उत्साह और सकारात्मक प्रतिक्रिया :** पहले दिन के कार्यक्रम ने महोत्सव की सफल शुरुआत का संकेत दिया है. जावेद अली की धमाकेदार प्रस्तुति और विदेशी कलाकारों की सांस्कृतिक झलक ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. स्थानीय लोगों से लेकर पर्यटकों तक सभी ने इस आयोजन की खूब सराहना की. महोत्सव 24 जनवरी तक जारी रहेगा, जिसमें और भी कई बॉलीवुड कलाकार और अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियां दर्शकों का मनोरंजन करेंगी. बोधगया में यह उत्सव बौद्ध विरासत और आधुनिक संगीत-सांस्कृतिक मेल का अनुपम उदाहरण बन गया है.

सीएचसी में बड़ी लापरवाही, मरीज को दी गई एक्सपायरी दवा

वैशाली, एजेंसी। वैशाली जिले के महनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक मरीज को एक्सपायरी दवा दे दी गई, जिसे मरीज ने सेवन भी कर लिया।

दवा खाने के बाद मरीज की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। शिकायत सामने आने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने तीन स्वास्थ्य कर्मियों से स्पष्टीकरण तलब किया है।

19 जनवरी को हुआ पूरा मामला– जानकारी के अनुसार, 19 जनवरी 2026 को महनार प्रखंड के पहाड़पुर निवासी शंकर रजक के पुत्र सोनू कुमार रजक लूज मोशन की शिकायत लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महनार पहुंचे थे। यहां चिकित्सक द्वारा जांच के बाद उन्हें दवा पुर्जा पर दवाएं लिखकर दी गईं। इसके बाद सोनू कुमार ने अस्पताल के दवा काउंटर से दवाएं लीं और घर लौट गए। मरीज का आरोप है कि रात में दवा खाने के बाद उसका पेट पूरी तरह टाइट हो गया और हालत बिगड़ने लगी।

सुबह देखने पर पता चली एक्सपायरी दवा– सोनू कुमार ने बताया कि जब सुबह उसने दवा की स्ट्रिप को ध्यान से देखा, तो पाया कि वह दवा अप्रैल 2025 में ही एक्सपायर हो चुकी थी। इसके बाद गुरुवार को वह शिकायत लेकर दोबारा अस्पताल पहुंचे और एक्सपायरी दवा की स्ट्रिप व दवा पुर्जा संबंधित चिकित्सक को दिखाया। आरोप है कि शिकायत करने के बावजूद संबंधित चिकित्सक ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

दवा काउंटर पर स्वीकार की गई गलती

इसके बाद सोनू कुमार दवा काउंटर पर पहुंचे, जहां मौजूद स्वास्थ्य कर्मी ने गलती से एक्सपायरी दवा दिए जाने की बात स्वीकार की और दूसरी दवा देने की बात कही। हालांकि, जब पूरे मामले की जानकारी अस्पताल प्रशासन को मिली, तो इसे गंभीरता से लिया गया। मामले को संज्ञान में लेते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने फार्मासिस्ट जितेंद्र कुमार, एएनएम मंगरिटा मिंज और एफपीडब्ल्यू हरिशंकर कुमार से स्पष्टीकरण तलब किया है।

स्थानीय लोगों में आक्रोश

इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यह जानलेवा लापरवाही है और दोषी स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका कहना है कि बिना जांचे मरीजों को दवा देना बेहद गंभीर मामला है। लोगों ने यह भी कहा कि सौभाग्य से मरीज की जान बच गई, अन्यथा एक्सपायरी दवा के सेवन से गंभीर साइड इफेक्ट या जान जाने तक की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

बिहार असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती पर कोर्ट का बड़ा फैसला

नियुक्ति बगैर अभ्यर्थी अनुभव प्रमाण पत्र का हकदार नहीं

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के विश्वविद्यालयों में बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा के आधार पर हुई सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति में अनियमितता और गड़बड़ी की शिकायत की सुनवाई में पटना उच्च न्यायालय ने शैक्षणिक अनुभव को लेकर आदेश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर अभ्यर्थी की औपचारिक नियुक्ति नहीं हुई तो वह अनुभव प्रमाणपत्र का हकदार नहीं है। केवल वर्ग में कुछ कक्षाओं में अध्यापन करने के आधार पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं कर सकते हैं। पिछले दिनों हुई कई विषयों की नियुक्ति में अधिकांश संदेहास्पद मामले अनुभव प्रमाण पत्र से जुड़े हैं। कॉलेजों ने मानकों का पालन किए बगैर ही अनुभव प्रमाण पत्र जारी किए हैं। पिछले दिनों कई विश्वविद्यालयों में नियुक्त सहायक प्राध्यापकों के शैक्षणिक दस्तावेज के साथ-साथ अनुभव प्रमाण पत्र को लेकर आयोग से लेकर शिक्षा विभाग में कई शिकायतें पहुंची हैं। इसमें कई अभ्यर्थियों को नियुक्ति तिथि से ही सेवा संपुष्टि होने, नियुक्ति तिथि के पांच दिन बाद सेवा संपुष्ट होने और कॉलेज को संबंधन से पहले भी अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने से जुड़े कई मामले की शिकायत की गई है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में दस्तावेज में कमी और अन्य संदेह के आधार राजनीति विज्ञान में पदस्थापन से रोके गए छह अभ्यर्थियों के दस्तावेज की जांच बुधवार को हुई।

वैशाली पुलिस ने जेडीयू के पूर्व जिला प्रवक्ता को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर/वैशाली, एजेंसी। वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने जालसाजी के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए सत्ताधारी जेडीयू के पूर्व जिला प्रवक्ता कुमारेश्वर सहाय को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने एक महिला को गलत जमीन बेचकर करीब 19 लाख 95 हजार रुपये की ठगी की। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले से गिरफ्तार किया है।

इस मामले में भगवानपुर थाना क्षेत्र के सतपुरा गांव निवासी सीताराम पासवान की पत्नी मुन्नी देवी ने भगवानपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर जांच-पड़ताल के बाद भगवानपुर थाना में कांड संख्या 304/25 दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुमारेश्वर सहाय मुजफ्फरपुर जिले में छिपा हुआ है। इसके बाद भगवानपुर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी और अपर थाना अध्यक्ष अवधेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर मुजफ्फरपुर जिले के तिलक मैदान रोड से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की पुष्टि सदर एसडीपीओ-02 गोपाल मंडल ने की है।

सदर एसडीपीओ-02 गोपाल मंडल ने बताया कि जालसाजी के एक मामले में भगवानपुर थाना की पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ हाजीपुर एसीजेएम-छह की अदालत से गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। लंबे समय से वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था।

पीड़ित महिला मुन्नी देवी का आरोप है कि कुमारेश्वर सहाय ने गलत जमीन का बैनामा कर उनसे 19 लाख 95 हजार रुपये की ठगी की। बाद में जब उस जमीन का म्यूटेशन नहीं हो सका तो महिला ने अपने रुपये वापस मांगे। इसके बाद आरोपी ने 13 लाख और 10 लाख रुपये के दो चेक दिए, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण दोनों चेक बाउंस हो गए। इसके बाद आरोपी रुपये लौटाने में आनाकानी करने लगा।

रुपये वापस न मिलने पर पीड़ित महिला न्याय की गुहार लेकर भगवानपुर थाने पहुंची, जहां लिखित आवेदन के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और अब आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मूल रूप से वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के असतपुर सतपुरा गांव का निवासी है। फिलहाल कुमारेश्वर सहाय को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

मरीज की मौत पर बवाल, मेडिकल कॉलेज में उपाधीक्षक से मारपीट

इमरजेंसी सेवाएं ठप

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में गुरुवार रात उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक मरीज की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों पर हमला कर दिया। घटना में उपाधीक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य चिकित्सकों के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। हालात बिगड़ने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और पूरे परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

डॉक्टरों के अनुसार मुरलीगंज प्रखंड के हरिपुर कला गांव निवासी सुनील यादव को गुरुवार शाम इमरजेंसी विभाग में लाया गया था। मरीज उस समय पूरी तरह अचेत अवस्था में था। चिकित्सकों ने तत्काल इलाज शुरू किया, लेकिन उसकी हालत बेहद गंभीर थी। बताया गया कि उसका ब्लड प्रेशर अत्यधिक बढ़ा हुआ था और

स्थिति नाजुक होने के कारण कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

मरीज की मौत की सूचना मिलते ही परिजन उग्र हो गए। आरोप है कि उन्होंने पहले उपाधीक्षक डॉ. अंजनी कुमार के साथ गाली-गलौज की और फिर मारपीट शुरू कर दी। हालात इतने बिगड़ गए कि डॉ. अंजनी कुमार को अस्पताल परिसर से एडमिन बिल्डिंग तक करीब 100 मीटर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य डॉक्टरों और सुरक्षा गार्डों के हस्तक्षेप से किसी तरह उन्हें बचाया जा सका। घटना में अन्य चिकित्सकों के साथ भी धक्का-मुक्की की बात सामने आई है।

परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मरीज की मौत के लिए अस्पताल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, इस घटना से नाराज मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर भी भड़क उठे। बताया जा रहा है कि मारपीट में शामिल एक युवक को पकड़ लिया गया और उसकी भी पिटाई कर दी गई, जिससे वह घायल हो गया।

स्थिति लगातार बिगड़ती देख भारी संख्या में पुलिस बल को अस्पताल बुलाया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रित किया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि घायलों का इलाज अन्य अस्पतालों में कराया जा रहा है। घटना के विरोध में डॉक्टरों ने इमरजेंसी सेवा बंद कर दी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसके चलते अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पंडौल पावर ग्रिड हादसा, ऑपरेटर की मौत, डीएम ने परिजनों से की मुलाकात

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी जिले के पंडौल पावर ग्रिड में हुए हादसे में जान गंवाने वाले ऑपरेटर सज्जन कुमार के परिजनों से गुरुवार देर शाम जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने मुलाकात की। जिलाधिकारी ने खजौली प्रखंड के चतरा ग्राम स्थित उनके पैतृक आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इस दौरान जिलाधिकारी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि नियमानुसार मिलने वाली सभी प्रकार की सरकारी आर्थिक सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि इस दुख की घड़ी में प्रशासन परिवार के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी।

चार कर्मी गंभीर रूप से झुलस गए– यह दुर्घटना मंगलवार को पंडौल पावर ग्रिड में मेंटेनेंस के काम के दौरान हुई थी। बिजली आपूर्ति पैनल में जोरदार धमाका होने से कार्यपालक अभियंता सहित चार कर्मी गंभीर रूप से झुलस गए थे। इनमें से कार्यपालक अभियंता अश्वनी कुमार व सज्जन कुमार दो कर्मियों की हालत नाजुक होने के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। कर्मी सप्लाई पैनल से जुड़े कार्य में लगे थे, तभी अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इसके परिणामस्वरूप पैनल में विस्फोट हुआ और उसमें मौजूद लिक्विड में भीषण आग लग गई,

जिसकी चपेट में आकर चारों कर्मी झुलस गए। घायलों की पहचान पंडौल ग्रिड के कार्यपालक अभियंता अश्वनी कुमार, ऑपरेटर सज्जन कुमार, गार्ड मो. कमरुल और गार्ड प्रमोद राम के रूप में हुई थी।

विचार-मंथन

संपादकीय

ईरान में बढ़ता संकट, भारत की चिंता बढ़ी

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। मंगलवार को ट्रंप ने ईरान को धमकी दी की अगर हमारा कहा नहीं माना तो नामोनिशान मिटा देंगे। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं।ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा। ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को।अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है।

लाचार व्यवस्था या संवेदनहीन प्रशासन

हादसे किसी चूक का नतीजा हो सकते हैं, लेकिन यह संभव है कि इसकी पृष्ठभूमि में ऐसी व्यवस्थागत लापरवाहियां हों, जिनकी आमतौर पर अनदेखी कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 150 में शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण एक कार पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में सत्ताईस वर्षीय युवक की जान चली गई।इसे रोजाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की तरह देखा जा सकता है, लेकिन हादसे के बाद युवक की मौत से पहले जैसी स्थिति सामने आई, उससे साफ है कि आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए गठित तंत्र किस दुर्दशा और लापरवाही का शिकार है। इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है कि पानी से भरे गड्ढे में अपनी कार के साथ फंसा एक युवक करीब डेढ़ घंटे तक मोबाइल की रोशनी के साथ जान बचा लेने की गुहार लगाता रहा और मौके पर मौजूद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल तथा दमकल विभाग का दल वहीं खड़ा अपनी लाचारगी का रोना रोता रहे। खबरों के मुताबिक, बचाव दल के पास तैराक और पर्याप्त वैकल्पिक संसाधन नहीं थे। जाहिर है, युवक की मौत की मुख्य वजह हादसे के बजाय संबंधित महकमों की घोर लापरवाही, बचाव दल की अक्षमता और अपर्याप्त संसाधन थी। यह कल्पना भी तकलीफदेह है कि किसी आपदा या आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के साथ ज्यादा से ज्यादा इंसानी जान को बचाने के लिए गठित दलों की मौजूदगी के बावजूद एक युवक की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद ऐसे आरोप भी सामने आए कि कुछ दिन पहले वहां एक ट्रक भी हादसे का शिकार हुआ था। वहां इसी तरह की दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई थी और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग भी की थी। मगर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी और विभाग को इसकी जरूरत महसूस नहीं हुई कि वहां मजबूत घेरा और जोखिम के मद्देनजर संकेतक लगवा दिया जाए।अब सरकार ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को हटाने और घटना की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित करने का आदेश दिया है।

ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

(ललित गर्ग)

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक 'खेला होगा' के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी। एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए। भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाज़ों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक ब्लैकमेलिंग का वैश्विक फलाफल

(कमलेश पांडे)

देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं, खासकर ग्रीनलैंड विवाद और रक्षा खर्च मांग के माध्यम से। इसके वैश्विक दुष्प्रभाव या असर को समझते हुए ही अमेरिका ने पश्चिमी गोलार्द्ध में खुद को मजबूत करने के लिए बेनेजुएला सम्प्रभुता तहस नहस कांड कांड जैसा दुस्साहस दिखाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीतिक रणनीति, विशेष रूप से टैरिफ़ और क्षेत्रीय दावों के माध्यम से, उनके मित्र देश रह रह कर परेशान हो उठते हैं। जबकि अमेरिका के शत्रु देश उनको आंख दिखाकर अपनी मनवाने से भी नहीं चूकते, खासकर चीन, रूस और ईरान जैसे दबंग देश। इससे जहां वैश्विक कूटनीति चौराहे पर खड़ी प्रतीत होती है, वहीं उनकी ढुलमुल नीति व्यापार को गहराई से प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि यूरोपीय देश, जापान, भारत आदि अंदर से बेचैन हैं। सच कहूं तो राष्ट्रपति ट्रंफ का यह अव्यवहारिक व मतलबपरस्त रुख आर्कटिक सुरक्षा, नाटो एकता और बहुपक्षीय व्यापार नियमों को खुली चुनौती दे रहा है। सबसे पहले इसी कसौटी पर यूरोप व नाटो देशों से जुड़े ग्रीनलैंड विवाद को समझते हैं, जहां ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की मांग क्या रख दी, उनके इस अटपटी सोच से उनके मित्र भी बौखलाहट दिखाने लगे। जिससे परेशान अमेरिका ने सहयोगी से विरोधी बन रहे आठ यूरोपीय देशों (डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी आदि) पर 10 प्रतिशत टैरिफ़ लगाने की धमकी दी है, जो जून 2026 तक 25प्रतिशत हो सकता है। यही वजह है कि यूरोपीय नेता जैसे स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन और नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने सहयोग की बजाय संवाद पर जोर देते हुए इसे स्पष्ट 'ब्लैकमेल' करार दिया। वहीं, नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंप से बातचीत की पुष्टि की, लेकिन आर्कटिक क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई। जहां तक चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध की बात को इस ब्लैकमेलिंग वाली कसौटी पर कसें तो प्रतीत होता है कि साल 2025 में ट्रंप द्वारा चीन पर 104त्न टैरिफ़ लगाने को चीन (बीजिंग) ने खुलकर 'ब्लैकमेलिंग' बताया और अंत तक लड़ने का वादा किया। चीनी पीएम ली कियांग ने इसे संरक्षणवाद का उदाहरण माना, और प्रतिक्रिया स्वरूप यूरोपीय संघ के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही। इससे वैश्विक शेयर बाजारों में मंदी की आशंका बढ़ी, क्योंकि अमेरिका ने 70+ देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ़ लागू किए। वहीं ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति का वैश्विक प्रभाव भी साफ दिख रहा है, क्योंकि उनकी इस रणनीति से नाटो जैसे गठबंधनों में दरार डाल पड़ने लगी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता के संकेत भी मिलने लगे हैं, क्योंकि 1 फरवरी 2026 की डेडलाइन नजदीक है। यूरोप ने आपात बैठक बुलाई, जबकि भारत जैसे देश भी 26प्रतिशत से 50 प्रतिशत टैरिफ़ का सामना कर रहे हैं। इससे इनकी बेचैनी समझी जा सकती है। कुल मिलाकर, ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति सिर्फ अमेरिका-प्रथम नीति को प्राथमिकता देती है, लेकिन इससे बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर होते चले जाने की आशंका भी निराधार नहीं है। देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज महत्वाकांक्षी प्रकृति वाले जातकों के लिए दिन शुभ फलदायक रहेगा। यात्रा सामान्य लाभप्रद रहेगी। दोपहर बाद उच्च अधिकारी से वाद विवाद होने से कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। सायंकाल के समय योजना पूर्ति से लाभ होगा। अतिथि आगमन से खर्च बढ़ने की संभावना नजर आ रही है। रात्रि के समय किसी मंगलमय समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष

आज कार्यक्षेत्र में दिन थोड़ा परेशान करने वाला रह सकता है। ऐसे में अधिकारी से या व्यवसाय क्षेत्र में व्यापारी से अनबन हो सकती है। अपने कार्य कौशल से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। घर गृहस्थी के उपयोग की कोई प्रिय वस्तु खरीदी जाएगी। शुभ व्यय भी होगा। दाम्पत्य जीवन में सरसता बनाए रखें, समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन

आज का दिन परिजन बिछोह से मन को दुखित करेगा। राजनीतिक गतिविधियों में भी रुकावट रहेगी। अपराह्न के बाद नवनिर्माण की रूपरेखा बनेगी। अच्छे और नेक काम करने से पुण्य मिलेगा और आपको मनचाही सफलता प्राप्त होगी।

तुला

आज का दिन भाग्योदय कारक है। ऐसे में जीवन साथी एवं व्यापार में साझेदारों का सहयोग मिलेगा। सत्कार्यों में रुचि बनी रहेगी। नौकरी पेशा वर्ग को उन्नति मिल सकती है। मन को शांति मिलेगी। अत्यधिक श्रम से थकान हो सकती है, सावधान रहें।

वृश्चिक

आज का दिन मिश्रित फलकारक रहेगा। समाज में स्वच्छ छवि का निर्माण होगा। चल रहे सम्यक कार्यों में सजगता बरतें। इस दौरान आपको पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। एकादश घर में मिथुन राशि का बृहस्पति उच्च फलकारक है। ऐसे में अवरोध-विरोध के बाद भी संकल्पित कार्य सिद्ध होंगे।

धनु

आज लोगों का आधा दिन परोपकार करने में बीतेगा। दूसरों की सहायता करने से जो आत्म संतुष्टि आपको प्राप्त होती है। उसकी तुलना अन्य किसी सांसारिक सुख से नहीं हो सकती। ऑफिस में आपके अधिकारों में वृद्धि होने के कारण साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। सायंकाल का समय देव दर्शन में व्यतीत होगा।

कर्क

आज का दिन संपत्ति के देने वाले हैं। ऐसे में समाज में आपकी राज्य-मान-प्रतिष्ठा में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ असहज स्थिति उत्पन्न हो सकती है, घबराये नहीं। सायंकाल से लेकर रात्रि तक पुराने मित्रों के मिलन से मन प्रसन्न रहेगा, मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंह

आज मंगल पारिवारिक अशांति तथा आस-पास के वातावरण को विपरीत बना सकता है। किन्तु आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे। अपने प्रिय व्यक्ति की मदद करने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रात्रि का समय मनोविनोद में बीतेगा।

कन्या

आज सांसारिक सुख भोगों की वृद्धि कर रहा है। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। सतर्क रहें।

मकर

आज किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा। घर में पत्नी या किसी संतान की अचानक तबीयत खराब होने से टेंशन हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करते समय या गाड़ी चलाते समय इसे अपने ऊपर हावी न होने दें। जोखिम के कामों से दूर रहें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। सतर्क रहें।

कुंभ

आज किसी महान सफलता का हर्ष होगा। बड़ी मात्रा में रुपया हाथ में आने से संतोष होगा। दिन के उत्तरार्ध में पिछले चार दिनों से पत्नी से चला आ रहा मन-मुटाव भी समाप्त हो जाएगा। कहासुनी को बातचीत से सुलझा लें। दोस्ती में किसी स्पेशल स्कीम का हिस्सा न बनें, जोखिम के कामों से दूर रहें। रात्रि का समय सैर सपाटे में व्यतीत करें। सायंकाल से रात्रि का समय भी मेल-मिलाप में बीतेगा।

मीन

आज संतान पक्ष से संतुष्टि व हर्ष दायक है। खास तौर पर युवाओं के लिए दिन अच्छा रहेगा। जिन यंगस्टर्स ने अभी अपने कैरियर की शुरूआत की है, उन्हें आज अपने ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सायंकाल से रात्रि का समय भी मेल-मिलाप में बीतेगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5983

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5982

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5983

संकेतः बाएं से दाएं

1. 30 मई 1987 को इसे भारत के राज्य का दर्जा मिला यह भारत का 26 वां राज्य बना (2)
3. 30 मई 1981 को हमारे देश के इस पडोसी राष्ट्र के राष्ट्रपति की उनके 8 सहयोगियों के साथ हत्या की गई (4)
6. विवाह के समय वधू का वर की अंगीकार करना (3)
8. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
9. कलंदर, बाजीगर (3)
10. दारचीनी जाति के पत्ते के मसाले जो तरकारी आदि में इस्तेमाल होते है (2)
11. मुस्लिमों की ईश प्रार्थना जो पांच वक्त की होती है (3)
14. निर्देशक महबूब खान की और नरगिस की यादगार भूमिका वाली फिल्म जिसमें सुनील दत्त, राजेंद्र कुमार भी थे (6)
17. षोषशी, किशोरी (2)
18. दक्षिणी अमेरिका का एक देश जिसकी राजधानी जॉर्ज टाउन है (3)
20. जल की बूंद, फुहार (3)
21. हिंदी व्याकरण में अन्य पुरूष (2)
22. नारी का अपभ्रंश (3)

ऊपर से नीचे

1. श्री वृंदावन का एक पर्वत के बारे में ऐसी प्रसिद्धि है कि एक बार बहुत अधिक वर्षा होने पर अपने भक्तों के रक्षार्थ श्रीकृष्ण ने इसे कनिष्ठिका उंगली पर उठाया था (4)
2. सप्ताह का दिन, प्रहार करने की क्रिया (2)
3. इस वाद्य का आविष्कार मतंग ने किया था (3)
4. ग्राम, गांव, ग्राम क्षेत्र (3)
7. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित कर लिया गया हो (4)
12. मुकदमा, माजरा, समस्या, घटना (3)
13. अविचल, जो हिल न सके (3)
15. समुद्र, रत्नखान (4)
16. खानाबदोश, पर्यटन प्रिय, घुमंतु (4)
17. भारत के प्रथम मुगल सम्राट (3)
19. वृथा, बेमतलब, व्यर्थ में (3)
20. सिलना, टांके लगाना, वक्षस्थल (2)

वर्ग पहेली 5982 का हल

ने	पा	न	ग	र		प	ना
क	ल	म	ल		भा	र	त
नी		क	त	र		वा	
य	म		फ	त	ह	ना	मा
त	न	ख्वा	ह		व		या
	मो		मी	जा	न		
सा	ह	स		पा		शा	म
म	न	ही	म	न		ना	म

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

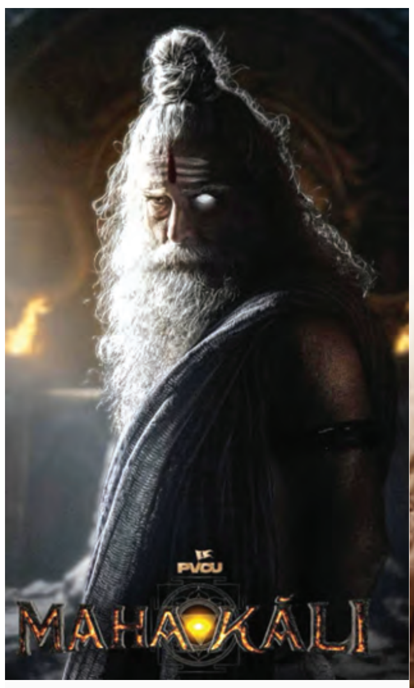

अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली में असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना की धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत का किरदार बहुत शानदार रहा। इस रोल के बाद वह फिर से चर्चा में आ गए हैं। अब फैंस धुरंधर पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें अक्षय फ्लैशबैक में नजर आ सकते हैं। धुरंधर की सफलता के बाद कई फिल्ममेकर उन्हें अपनी फिल्मों में अक्षय को लेना चाहते हैं। लेकिन अक्षय ने अभी अपनी अगली हिंदी फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। फिलहाल, वह अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक फिल्म में अक्षय असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं और यह प्रशांत वर्मा के सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा है। फिल्म में मुख्य भूमिका भूमि शेट्टी निभा रही हैं। अक्षय का शुक्राचार्य वाला पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसमें वे लंबी सफेद दाढ़ी और प्रभावशाली लुक में दिख रहे हैं। यह लुक देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। कथित तौर पर महाकाली 2026 में रिलीज हो सकती है।

अक्षय की फिल्में

धुरंधर की आपार सफलता के बाद अक्षय को कई बड़े ऑफर मिल रहे हैं। उन्होंने दृश्यम 3 को छोड़ दिया है, जिसमें वे पहले जांच अधिकारी का रोल निभा चुके हैं। 2025 में अक्षय ने छावा में औरंगजेब का किरदार और धुरंधर में रहमान डकैत के किरदार में खूब वाहवाही बटोरी। फैंस अब अक्षय को बड़े पर्दे पर दोबारा देखने के लिए उत्सुक हैं!

भूमि ने बताया 'द रॉयल्स' के बाद क्यों लिया था एक्टिंग से नौ महीने का ब्रेक

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'दलदल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच भूमि पेडनेकर ने बताया कि पिछले साल आई 'द रॉयल्स' में उनकी एक्टिंग को लेकर हुई आलोचना ने उन्हें काफी प्रभावित किया। इससे प्रभावित होकर एक्ट्रेस ने नौ महीने का लंबा ब्रेक ले लिया। अब इस ब्रेक के बाद भूमि 'दलदल' से वापसी कर रही हैं। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने बिना किसी घोषणा के ब्रेक लिया था।

'द रॉयल्स' की आलोचना ने ब्रेक लेने पर किया मजबूर

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे बहुत ट्रोल किया गया। लेकिन इन सबके बीच बहुत सारी क्रिएटिव आलोचना भी हुई। इस सबने मुझे 2025 में अपने जीवन के लिए कुछ बहुत बड़े फैसले लेने के लिए प्रेरित किया। उनमें से एक ब्रेक लेना था। मैंने इसकी घोषणा नहीं की क्योंकि मैं इसे नाटकीय नहीं बनाना चाहती थी। दम लगा के हैशा के बाद से मैं लगातार 10 साल से अभिनय कर रही हूं। उस किरदार के लिए भूमि ने 30 किलो वजन बढ़ाया था और तब से अपने किरदारों के लिए शारीरिक परिवर्तन करना उनका निरंतर प्रयास रहा है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है। यह इस बारे में भी है कि आप किसी किरदार की तैयारी करते समय भावनात्मक और मानसिक रूप से किन-किन चीजों से गुजरते हैं।

जून से किसी सेट पर नहीं गईं

भूमि ने बताया कि इन आलोचनाओं से मैं भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में, एक इंसान के रूप में, भूमि के रूप में अपनी पहचान पूरी तरह खो चुकी थी। इसलिए मुझे पीछे हटना पड़ा। मैंने ब्रेक लिया। जून से मैं किसी सेट पर नहीं गई हूं। कई बार जब कोई कलाकार ऐसा स्वीकार करता है, तो इसे निगेटिव तरीके से देखा जाता है। लेकिन यह मैंने अपनी इच्छा से किया था। यह मेरे लिए सबसे अच्छा फैसला है।

कई फिल्में ठुकराई और अवॉर्ड्स फंक्शन को किया मना

अब नौ महीने बाद मार्च में अपने पहले कोर्टरूम ड्रामा के साथ सेट पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने कहा यह महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा झेली जाने वाली यौन हिंसा के बारे में है। यह एक थिएटर फिल्म है। मैं पिछले दो महीनों से इस पर काम कर रही हूं। मैं फिल्म सेट पर जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। ब्रेक के दौरान मैंने फिल्में छोड़ दीं। मुझे साइनिंग अमाउंट वापस करने पड़े। मुझे कई चेक ठुकराने पड़े, जो कि बहुत बड़ी रकम होती है। बात सिर्फ फिल्में न करने की नहीं थी, बल्कि मैंने पब्लिक अपीयरेंस भी कम कर दी। मुझे कई अवॉर्ड शो और फैशन इवेंट्स को मना करना पड़ा। मैं बस सबसे अलग होना चाहती थी। मैं यह अनुभव करना चाहती थी कि अकेले रहना कैसा लगता है। अगर मैं सब कुछ खो दूं, तो क्या मैं जीवित रह पाऊंगी? मुझे पता है कि मैं जीवित रह पाऊंगी।

खुद से किए सवाल, ब्रेक लेना सही फैसला

अपने ब्रेक के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि मेरे पास अब कोई वास्तविक अनुभव नहीं बचा था, जिसे मैं अपने अभिनय में इस्तेमाल कर सकूं। मेरा सबसे बड़ा डर हमेशा यही रहा है कि मैं कभी भी औसत दर्जे की अभिनेत्री नहीं बनना चाहती। मुझे लगता है कि मैं उस मुकाम तक पहुंच चुकी थी। मेरे लिए इसे स्वीकार करना और इससे मुंह न मोड़ना महत्वपूर्ण था। क्योंकि मैं जानती हूं कि मैं क्या कर सकती हूं। मैं खोई हुई थी, इसलिए मैंने अपने कुछ पुराने काम देखे। मैं सोच रही थी, क्या मैं सच में अभिनय कर सकती हूं? क्या मुझमें वह क्षमता है? हर अभिनेता के लिए उस दायरे से बाहर निकलना बहुत ज़रूरी है। उस अनुभव ने मुझे झकझोर दिया। मैं बहुत खुश हूं कि लोगों ने द रॉयल्स देखा। इससे कुछ अच्छा नतीजा निकला। लेकिन सबसे अच्छी बात यह हुई कि मैं भूमि से एक इंसान के तौर पर और एक अभिनेत्री के तौर पर फिर से जुड़ पाई।

पुलिस अधिकारी के किरदार में 'दलदल' में आएंगी नजर

फिलहाल अपनी फिल्म से पहले भूमि क्राइम-थ्रिलर शो दलदल में नजर आएंगी। इसमें वो मुंबई की एक पुलिस अधिकारी रीता फरेरा के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने द रॉयल्स की शूटिंग खत्म करने के तुरंत बाद इस सीरीज की शूटिंग शुरू की थी। आदित्य रावल और समारा तिजोरी भी इस शो में हैं। दलदल का निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और यह 30 जनवरी को प्राइम वीडियो इंडिया पर रिलीज होगा।

प्रियंका चोपड़ा ने बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स की सराहना की

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स के टीज़र को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए खुलकर सराहना की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर टीज़र शेयर करते हुए इसे 'अमेज़िंग' बताया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता और भी बढ़ गई है। प्रियंका का यह समर्थन न सिर्फ बहन के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है, बल्कि मीरा के कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर बढ़ाए गए साहसी कदम की सराहना भी करता है। किशोर बेलेकर के निर्देशन में बनी गांधी टॉक्स एक मूक (साइलेंट) और ध्यानात्मक फिल्म है, जिसे इसकी अनोखी कहानी कहने की शैली सबसे खास बना देती है। यह फिल्म संवादों के बजाए विज़ुअल्स, अभिनय और भावनाओं के माध्यम से अपनी बात कहती है, जो दर्शकों को एक गहरे और आत्ममंथन भरे अनुभव में ले जाती है। फिल्म से जुड़े होने पर ऑस्कर विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान ने भी इसकी अनूठी सोच और विज़न की सराहना की है। रहमान का समर्थन फिल्म की भावनात्मक गहराई और सादगी को और मजबूती देता है तथा इसके रचनात्मक दृष्टिकोण की पुष्टि करता है। मीरा चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म, निर्माता के रूप में उनके करियर की एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। इस फिल्म में विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी जैसे दमदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएँगे।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है द 50

फराह खान के रियलिटी शो द 50 का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा।

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की 'तू या मैं' का ट्रेलर रिलीज

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की आगामी फिल्म 'तू या मैं' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो इन्फ्लुएंसर्स और एक मगरमच्छ के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उनके एक अप्रत्याशित कोलैबरेशन के बीच आ जाता है। ट्रेलर की शुरुआत में एक हाथ खून भरी मांग (1988) की वीसीआर टेप चुनता है। रेखा को मगरमच्छों से भरे पानी में फेंके जाने का पॉपुलर सीन फ्लैट स्क्रीन टीवी पर चलता है।

इसी सीन के बीच में नालासोपारा के गली रैपर मारुति कदम उर्फ आला फ्लोपारा (आदर्श) और एक हाई-क्लास इन्फ्लुएंसर अवनी शाह उर्फ मिस वैनिटी (शनाया) की एंट्री होती है। दोनों मिलते हैं, एक-दूसरे से बातचीत करते हैं और एक कोलैबरेशन के लिए शहर से बाहर जाने का फैसला करते हैं। लेकिन जल्द ही वे खुद को एक सुनसान स्विमिंग पूल में मगरमच्छ से लड़ते हुए पाते हैं। ट्रेलर में कई हैरान कर देने वाले सीन हैं। मारुति और अवनी उस मगरमच्छ से बचने के तरीके खोजने की कोशिश करते हैं।

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुईं रानी मुखर्जी, किए कई खुलासे

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की।

16 साल की उम्र में फिल्म का ऑफर मिला और मैं डर गई थी

30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट आ गले लग जा का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूं तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अंकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं।

उस दौर में फिल्मों में आना कोई सुरक्षित या सम्मानजनक करियर नहीं था

उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था।

'मम्मी ने कहा था, मौका मिले तो कभी मना मत करना'

जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे राजा की आएगी बारात का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

चाह थी कि माता-पिता एक बेहतर जिंदगी दे सकूं

मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूं। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफ कहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता-पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूं। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए।

पैसे भी नहीं होते थे लेकिन सपने बहुत होते थे

पहले हालात ऐसे नहीं थे कि हम किसी अच्छे रेस्तरां में जाकर खाना खा सकें। आज वो आजादी है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पैसे होने के बावजूद हम पहले अपने अपनों के लिए लेते हैं, अपने लिए नहीं। लेकिन आज जब पीछे देखती हूं, तो लगता है कि जिंदगी ने धीरे-धीरे मेरी वो सारी छोटी अधूरी इच्छाएं पूरी की हैं।

पहले मेरे माता पिता जो कहते वहीं करती .. लेकिन फिर नहीं

साथिया से करीब आठ महीने पहले तक मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली थीं। उस वक्त सोशल मीडिया नहीं था। लोग चिट्ठियां लिखते थे। मुझे बहुत सारी चिट्ठियां आती थीं। मेरे डैडी कहते थे कि इन्हें पढ़ो और समझो कि लोग क्या कहना चाहते हैं। उन चिट्ठियों में सिर्फ प्यार नहीं होता था, बल्कि ईमानदार राय भी होती थी। तब तक मैं अपने फैसले खुद नहीं ले रही थी। जो मेरे माता-पिता कहते थे, वही करती थी। लेकिन उसी वक्त मैंने तय किया कि अब मुझे खुद सोचकर फैसले लेने होंगे। मैंने मम्मी-पापा से कहा कि कुछ समय तक मैं कोई फिल्म साइन नहीं करना चाहती।

संक्षिप्त समाचार

टाइम से पहले पूरी कर ली दौड़ और फिर चली गई जान

अहमदाबाद, एजेंसी। खाकी वर्दी पहनने का सपना लेकर वह कई सालों से मेहनत करता

था। सुबह-शाम दौड़ की ऐसी प्रैक्टिस भी की थी कि 25 की बजाय 21 मिनट में ही 5 किलोमीटर की रेस पूरी कर ली। लेकिन जिस दिल में सब इंस्पेक्टर बनने की चाह लेकर उसने यह दौड़ लगाई थी उसी ने यहां धोखा दे दिया। गुजरात के भरूच में भर्ती के दौरान कच्छ से आए रविराज सिंह जडेजा ने दम तोड़ दिया। घटना गुरुवार सुबह की है। रविराज पुलिस सब इंस्पेक्टर और लोक रक्षक दल (एलआरडी) रिक्रूटमेंट भर्ती में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। रेस पूरी करने के बाद जडेजा ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की और उन्हें मौके पर मौजूद मेडिकल टीम ने प्राथमिक चिकित्सा दी। लेकिन स्थिति बिगड़ती गई और रविराज बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत भरूच सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां दिल का दौड़ा पड़ने से उनकी मौत हो गई। 4 मिनट में पूरी की दौड़, दिल में था ब्लॉकेज एक रिपोर्ट के मुताबिक भरूच के एसपी अक्षय राज मकवाना ने बताया, 'उनके पिता ने कहा कि रविराज ने भर्ती के लिए बहुत प्रैक्टिस की थी और दौड़ निर्धारित 25 मिनट की बजाय 21 मिनट में ही पूरी कर ली। पोस्ट मॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि दिल में ब्लॉकेज था। रवि के पिता महेंद्र सिंह स्टेट रिजर्व पुलिस में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर हैं और इस समय वड़ोदरा में तैनात हैं। जडेजा शहर में अपने पिता के साथ रहते थे और परीक्षा के लिए भरूच गए थे। बताया गया है कि रवि राज ने इसी मैदान पर पहले भी फिजिकल टेस्ट में दौड़ लगाई थी लेकिन तब असफल रहे थे। भरूच पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की है।

एअर इंडिया की लापरवाही के कारण रातभर भटका इंदौर का दंपति

इंदौर, एजेंसी। विमान कंपनी एअर इंडिया की लापरवाही और असंवेदनशील रवैये का एक

मामला गुरुवार को सामने आया। केरल भ्रमण के बाद कोच्चि से इंदौर लौट रहे इंदौर निवासी दंपती को एअर इंडिया की लापरवाही ने पूरी रात एयरपोर्ट पर भटकने को मजबूर कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि घंटों की देरी, फ्लाइट छूटने और मानसिक यातना के बावजूद कोई सुविधा नहीं दी गई। दंपती ने पूरी रात एयरपोर्ट की कुर्सियों पर बैठकर गुजारी। इंदौर के खातीवाल टैंक में रहने वाले योगेश वाधवानी अपनी पत्नी खुशबू के साथ केरल भ्रमण पर गए थे। वापसी में कोच्चि से उड़ान एआइ-1873 दोपहर 1.30 बजे दिल्ली के लिए निर्धारित थी। दिल्ली से इंदौर की कनेक्टिंग उड़ान पहले से बुक थी। बुधवार सुबह कोच्चि एयरपोर्ट पहुंचते ही मोबाइल पर फ्लाइट रिशेड्यूल होने का संदेश मिला। योगेश ने बताया कि उड़ान का समय पहले 4.30 बजे किया गया, फिर 5.30 बजे। सुबह से शाम तक दोनों लोग एयरपोर्ट पर बैठे रहे, लेकिन एअर इंडिया ने न भोजन दिया, न लाउंज सुविधा। शाम की उड़ान से रात 8.30 बजे दिल्ली पहुंचे, लेकिन शाम सात बजे इंदौर की कनेक्टिंग उड़ान जा चुकी थी। एयर इंडिया ने वैकल्पिक व्यवस्था के नाम पर दंपती को दिल्ली से रात 12 बजे पुणे की उड़ान में बैठा दिया। रात 2.30 बजे पुणे पहुंचे और पूरी रात एयरपोर्ट पर गुजारने के बाद फिर सुबह आठ बजे की फ्लाइट से इंदौर आए। चंद घंटों के सफर को 24 घंटे का कर दिया। योगेश का कहना है कि पूरी रात परेशान रहे। न होटल की सुविधा दी गई और न मुआवजा और न ही महिला यात्री होने के बावजूद कोई विशेष सहायता।

कर्नाटक में कथित नफरत भरे भाषण पर कार्रवाई

पुलिस ने आरएसएस नेता प्रभाकर भट के खिलाफ एफआईआर की दर्ज

बंगलूरू, एजेंसी।
कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में कथित नफरत भरे भाषण को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक नेता के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई मंगलुरु क्षेत्र के पुत्तूर टाउन पुलिस थाने में दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, एक निजी कॉलेज में हुए कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण से साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका जताई गई थी, जिसके बाद शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरएसएस नेता प्रभाकर भट के खिलाफ यह मामला स्थानीय निवासी रामचंद्र के की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि 12 जनवरी को दक्षिण कन्नड़ जिले के एक निजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण में ऐसे बयान थे, जो छात्रों और अभिभावकों के बीच साम्प्रदायिक तनाव बढ़ा सकते हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक, यह भाषण हिंसा और नफरत को भड़काने की क्षमता रखता है।

यूट्यूब से फैला मामला: पुलिस ने बताया कि कार्यक्रम के बाद भाषण की सामग्री 'विकासना टीवी' नामक एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड की गई। इसके कारण यह वीडियो बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच गया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर वीडियो के प्रसार से मामले की गंभीरता बढ़ गई, क्योंकि इससे कथित आपत्तिजनक बयान व्यापक दर्शकों तक पहुंचे।

आयोजक भी आरोपी

शिकायत के आधार पर पुलिस ने न केवल भाषण देने वाले नेता, बल्कि कार्यक्रम के आयोजकों और संबंधित यूट्यूब चैनल को भी आरोपी बनाया है। मामला भारतीय न्याय संहिता की उन धाराओं में दर्ज किया गया है, जो विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी फैलाने और सार्वजनिक शांति को नुकसान पहुंचाने से जुड़े अपराधों से संबंधित हैं। पुलिस का कहना है कि कानून के तहत सभी पहलुओं की जांच की जाएगी।

बयान दर्ज होंगे

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम में मौजूद गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो की भी जांच की जा रही है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

अय्याशी के लिए बाधा बन रहा था पति, प्रेमी के साथ महिला ने उतारा मौत के घाट

गुंटूर, एजेंसी।
आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के दुग्गिराला मंडल के चिलुवुरु गांव में एक चौंकाने वाली हत्या का मामला सामने आया है। प्याज व्यापारी लोकम शिवनागराजू की उनकी पत्नी लक्ष्मी माधुरी और उसके प्रेमी गोपी ने मिलकर क्रूर तरीके से हत्या कर दी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि माधुरी ने पति के लिए बिरयानी बनाई और उसमें करीब 20 नींद की गोलियों का पाउडर मिलाकर परोसी।

घटना 18 जनवरी की रात की बताई जा रही है। शिवनागराजू ने बिरयानी खाने के बाद गहरी नींद में चले गए। इसके बाद माधुरी ने गोपी को घर बुलाया। दोनों ने मिलकर सोते हुए शिवनागराजू के चेहरे पर तकिया रखकर दबाया, जबकि गोपी ने उनके सीने पर बैठकर उन्हें दबाया, जिससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

हत्या के बाद गोपी वहां से चला गया, लेकिन माधुरी शव के पास ही बैठी रही और पूरी रात मोबाइल पर अश्लील (पोर्न) वीडियो देखती रही। सुबह उसने ग्रामीणों के बीच अफवाह फैलाई कि पति को दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है और शोर मचाकर पड़ोसियों को सूचना दी। शिवनागराजू के पिता और दोस्तों ने शव

पर चोट के निशान और खून के धब्बे देखे, जिससे संदेह हुआ। उन्होंने पुलिस में शिकायत की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दम घुटना और सीने की चोटें पाई गईं, जिससे प्राकृतिक मौत की थ्योरी खारिज हो गई। मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच से पुलिस को पूरी रात पोर्न वीडियो देखने का सबूत मिला। पूछताछ में माधुरी ने जुर्म कबूल कर लिया और गोपी के साथ साजिश रचने तथा हत्या करने की बात स्वीकार की। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसआइआर सुनवाई कैंप पर भीड़ का हमला, किसी तरह से जान बचाकर भागे अधिकारी

रायगंज, एजेंसी।
बंगाल में उत्तर दिनाजपुर जिले के इटाहार में गहन मतदाना पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर तनाव और हिंसा की स्थिति पैदा हो गई। गुरुवार को एक व्यक्ति की ओर से आत्महत्या किए जाने के बाद पूरे इलाके के लोग नाराज हो गए। काफी संख्या में लोग जमा हुए और आरोप लगाया कि एसआइआर सुनवाई के डर से उस व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने एक स्कूल में चल रहे एसआइआर सुनवाई केंद्र पर हमला कर दिया।

घटना की शुरुआत सुबह तब हुई, जब इटाहार के मुरालीपुकुर गांव के चंदू सरकार (51) का शव उनके घर के पास एक आम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। स्वजन का आरोप है कि उसकी पत्नी जिन्नातुन खातून के नाम पर एसआइआर सुनवाई का नोटिस मिला, जिसके बाद से ही वह तनाव में था। पत्नी को लेकर सुनवाई कैंप जाने से पहले ही उसने आत्महत्या कर ली।

चंदू की मौत की खबर फैलते ही सुबह करीब साढ़े 11 बजे सैकड़ों की संख्या में उग्र भीड़ लाठी-डंडों से लैस होकर इटाहार हाई स्कूल पहुंची, जहां उस समय एसआइआर की सुनवाई चल रही थी। गुस्साए लोगों ने अधिकारियों पर हमला बोल दिया।

इटाहार क्षेत्र के कुछ अधिकारी किसी तरह भागकर जान बचाने में कामयाब रहे, लेकिन पतिराजपुर क्षेत्र के अधिकारियों को निशाना बनाया गया। इसमें कई अधिकारियों को चोटें आई हैं। टेबल, कुर्सियां, बेंच तोड़ दी गईं।

महत्वपूर्ण दस्तावेज को फाड़कर बिखेर दिया गया। उस समय स्कूल में पढ़ाई चल रही थी, जिससे छात्र और शिक्षक भी भयभीत हो गए। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। रायगंज के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंतल बंद्योपाध्याय भी मौक पर पहुंचे। कई घंटों तक सुनवाई पूरी तरह बंद रही। बाद में कड़ी सुरक्षा के बीच सुनवाई की प्रक्रिया दोबारा

शुरू की गई। दूसरी ओर, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाते समय इटाहार चौक पर 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तृणमूल कांग्रेस के विधायक मुशर्रफ हुसैन और उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया ताकि कोई और अप्रिय स्थिति न बने। रात के अंधेरे में हरिबासर मंदिर की पांच मूर्तियों को तोड़ दिया गया। मंदिर के पास बाग में बिखरी-टूटी मूर्तियां देखकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। यह घटना बंगाल में मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर थाना इलाके में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकार की घटना पहले कभी नहीं हुई। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों ने दोषियों की पहचान कर गिरफ्तार करने की मांग की है। मालदा के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बंद्योपाध्याय ने कहा कि घटनास्थल पर पुलिस मौजूद है और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में फिर भड़की जातीय हिंसा: कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेयी युवक की अपहरण के बाद गोली मारकर हत्या

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर के चूड़चंदपुर जिले में कुकी उग्रवादियों ने मैतेयी समुदाय के एक युवक का अपहरण कर लिया और गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इससे अशांत मणिपुर में तनाव और बढ़ गया है। हत्या के विरोध में मैतेयी समुदाय के लोगों ने गुरुवार को काकचिंग जिले में प्रदर्शन किया। उन्होंने सड़कों पर टायर जलाए, वाहनों को रोका और धरना दिया। इंफाल पूर्वी जिले के कुछ हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन हुआ। मृतक की पहचान 38 वर्षीय मयांगलांबम ऋषिकांत सिंह के रूप में हुई है। उसका विवाह कुकी आदिवासी समुदाय की युवती चिंगनु हाओकिप से हुआ था। विवाह के बाद उसने अपना नाम बदलकर गिनमिनथांग कर लिया था। पुलिस ने बताया कि ऋषिकांत सिंह का बुधवार को उसके घर से अपहरण कर लिया गया और गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड के पीछे यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी का हाथ होने का संदेह है। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने ऋषिकांत की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मामला एनआइए को सौंप दिया गया है। राज्यपाल ने कहा कि दोषियों को

पकड़ने के लिए बुधवार रात से ही गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया है। राज्य और केंद्र सरकार की समन्वित अभियान चला रही है और युद्धस्तर पर कार्रवाई की जा रही है। कानून के अनुसार सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ऋषिकांत अपनी पत्नी के साथ 19 जनवरी को नेपाल से चूड़चंदपुर लौटा था। कुछ स्थानीय समूहों ने उसे अपनी पत्नी के साथ रहने की अनुमति दी थी। मृतक के पिता मयांगलांबम टांबी सिंह ने पत्रकारों को बताया कि नेपाल से आने के बाद वह चूड़चंदपुर में अपनी पत्नी के घर पर रह रहा था। उसने कभी अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी। बुधवार शाम को तीन हथियारबंद लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ता उसकी पत्नी को भी साथ ले गए, लेकिन बाद में उसे चलती गाड़ी से बाहर फेंक दिया। युवक को गोली मारे जाने से पहले हाथ जोड़कर अपनी जान की भीख मांगते हुए देखा जा सकता है। कुकी और मैतेयी समुदाय में जारी है हिंसा मई 2023 में हिंसा भड़कने के बाद से कुकी और मैतेयी समुदाय के लोग एक-दूसरे के इलाकों में जाने से कतराते हैं।

गाजियाबाद में शिव विहार से मंडोला विहार तक मेट्रो चलाने की तैयारी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने लोनी के शिव विहार से मंडोला विहार तक मेट्रो चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। जीडीए, आवास विकास परिषद, यूपीसीडा, नगर निगम और नगर पालिका लोनी की संयुक्त टीम 12.50 किलोमीटर लंबे इस रूट का भौतिक सर्वे करेगी। इसकी रिपोर्ट के आधार पर डीएमआरसी से डीपीआर बनवाने की योजना है। इस रूट के तैयार होने से लोनी में रहने वाली बड़ी आबादी मेट्रो के जरिये दिल्ली के अधिकांश हिस्सों तक पहुंच सकेंगे। गाजियाबाद में मेट्रो लाइन का विस्तार किया जा रहा है। रेड और ब्लू लाइन के बाद अब लोनी में पिंक लाइन का विस्तार करने की योजना है। इसको लेकर जीडीए सचिव की अध्यक्षता में नगर निगम, आवास एवं विकास परिषद के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। बैठक में लोनी के शिव विहार से मंडोला विहार तक मेट्रो की पिंक लाइन का विस्तार करने पर चर्चा की गई। बैठक में मेट्रो विस्तारीकरण से संबंधित विभिन्न तकनीकी, प्रशासनिक और जनहित से जुड़े पहलुओं पर भी विस्तार से बात की गई, जिसमें मेट्रो विस्तार को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इसमें तय हुआ है कि जीडीए, आवास विकास परिषद, यूपीसीडा, नगर निगम और नगर पालिका लोनी की संयुक्त कमेटी बनाई जाए। यह टीम शिव विहार से मंडोला विहार तक के प्रस्तावित मेट्रो रूट का फिजिकल सर्वे करें।

घूस देकर एसओ के पद पर पोस्टिंग, 30 से ज्यादा अधिकारियों को नोटिस से मची खलबली

लखनऊ, एजेंसी।
राजधानी लखनऊ में तैनाती के नाम पर घूस के खेल का मामला सामने आया है। सचिवालय में 30 से ज्यादा अनुभाग अधिकारियों (एसओ) पर घूस देकर मनचाही पोस्टिंग पाने के आरोप हैं। सचिवालय प्रशासन विभाग ने इन अनुभाग अधिकारियों से आरोपों पर जवाब मांगा है। जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। नोटिस मिलने के बाद से खलबली मची हुई है। बीते कुछ महीनों से सचिवालय में जुगाड़ और घूस से मलाईदार पोस्टिंग की चर्चा दबी जुबान में सुनी जा रही थी।

आरोप लगते रहे कि सचिवालय की ट्रांसफर पॉलिसी को दरकिनार करके कुछ अधिकारियों को लगातार अहम महकमों में तैनाती दी जा रही थी। ट्रांसफर पॉलिसी के मुताबिक सचिवालय में विभागों को तीन श्रेणियों में बांट दिया गया था और तय किया गया था कि चक्रानुक्रम आधार पर सभी कर्मचारियों को इन श्रेणियों में तैनाती दी जाएगी। हालांकि, तमाम ऐसे मामले आए जब इस ट्रांसफर पॉलिसी के इतर लोगों को लगातार 'ए' श्रेणी के ही विभागों में तैनाती दी गई। अब तैनाती में घूस के लेन-देन के मामले की आधिकारिक पड़ताल शुरू हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक शासन में उच्च स्तर पर अनुभाग

अधिकारियों की पोस्टिंग में घूसखोरी की शिकायत की गई थी। उस शिकायती पत्र के आधार पर मामले की पड़ताल और कार्रवाई के लिए चिट्ठी सचिवालय प्रशासन विभाग को भेजी गई थी। उसी क्रम में अनुभाग अधिकारियों को यह नोटिस जारी हुई है ताकि वे अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देकर अपना पक्ष स्पष्ट कर सकें। सचिवालय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान ने बताया कि 'कुछ शिकायतें आई थीं। सभी को नोटिस जारी करके उनका पक्ष मांगा गया है।'

जब से आरोपी अनुभाग अधिकारियों को नोटिसें मिलने का क्रम जारी हुआ है, तब से सचिवालय में माहौल काफी गर्म है। तमाम कर्मचारी नेता मांग कर रहे हैं कि इस मामले में विजिलेंस या अन्य सक्षम एजेंसी से जांच करवाई जानी चाहिए न कि केवल लिखित जवाब लेकर मामला रफा-दफा करना चाहिए। सचिवालय के समीक्षा अधिकारी के मुताबिक इस तरह के आरोप काफी गंभीर हैं। अगर ऐसा हो रहा है तो खासा चिंताजनक है क्योंकि इससे जाहिर तौर पर शासन के कामकाज में पारदर्शिता और शुचिता भी प्रभावित हो रही होगी।

नोएडा के शिव नाडर स्कूल को मिली बम की धमकी, वापस भेजे गए सभी बच्चे

नोएड, एजेंसी। गणतंत्र दिवस से पहले नोएडा के शिव नादर स्कूल को बम की धमकी वाला ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। स्कूल द्वारा पुलिस को इसकी सूचना देने के साथ ही एहतियातन सभी बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है। स्कूल की प्रिंसिपल द्वारा इस संबंध में पैरेंट्स को मैसेज भेजकर सूचना दे दी गई है। शिव नादर स्कूल की प्रिंसिपल अंजू सोनी ने आज सुबह पैरेंट्स को मैसेज भेजकर बताया, हमें आज सुबह बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला है और सुरक्षा जांच के लिए एहतियात के तौर पर स्कूल आज 23 जनवरी 2026 को बंद रहेगा। स्कूल बसें वापस भेजी जा रही हैं और माता-पिता से अनुरोध है कि वे अपने बच्चे को तय ड्रॉप ऑफ जगह पर लेने आएं। माता-पिता जगह पर पहुंचने के बारे में रियल टाइम अपडेट के लिए संबंधित बस स्टाफ से संपर्क कर सकते हैं। नोएडा पुलिस की ओर बताया गया है कि कुछ निजी स्कूल में ई-मेल के माध्यम से थ्रेट प्राप्त होने की सूचना पर तत्काल उच्चाधिकारीगण, अलग-अलग थानों के पुलिस बल, बॉम्ब स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड एवं बीडीडीएस टीम द्वारा मौके पर सघन चेकिंग कराई जा रही है। साथ ही साइबर टीम द्वारा प्राप्त ई-मेल की तकनीकी जांच की जा रही है। स्थिति सामान्य है, मौके पर पूर्णत: शांति व्यवस्था स्थापित है। अफवाह पर ध्यान ना दें। बता दें कि, पिछले महीने 19 दिसंबर को भी शिव नादर स्कूल समेत नोएडा के नौ स्कूलों को संभावित बम की धमकी के मिलने के बाद सुरक्षा उपायों के तहत बंद कर दिया गया था।

हत्या या हादसा? पत्नी के हाथ में पकड़े सब्जी काटने वाले चाकू से पूर्व सैन्यकर्मी की मौत

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के गांव नखडोला में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला नशे में धुत अपने पति को गिरने से बचाने की कोशिश कर रही थी, तभी महिला के हाथ में मौजूद सब्जी काटने वाला चाकू लगने से पति की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मृतक को पत्नी पर गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। मृतक व्यक्ति भारतीय वायु सेना से रिटायर था। यह घटना 18 जनवरी की है। गांव नखडोला निवासी सुनील को चाकू लगने के बाद घायल हालत में अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, परिवार और रिश्तेदारों को लगा कि सुनील की मौत हार्ट अटैक से हुई है। उसके बाद उसका पोस्टमॉर्टम करवाया गया। 19 जनवरी को उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने पूरी कहानी बदल दी। खेड़की दौला थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मृतक की पत्नी ममता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि हालांकि यह घटना बिना किसी आपराधिक इरादे के घटित हुई प्रतीत होती है, लेकिन लापरवाही और मौत के कारण इस पर गैर-इरादतन हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना बताया जा रहा है। हम महिला को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेंगे, ताकि वारदात में इस्तेमाल हथियार बरामद किया जा सके और मामले की गहराई से जांच हो सके। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि सुनील की मृत्यु प्राकृतिक नहीं थी, बल्कि उसके सीने पर किसी तेजधार हथियार से गहरी चोट लगी थी।

छत्तीसगढ़ में बंदर ने नवजात को मां से छीनकर कुएं में गिराया

जांजगीर चांपा, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के सिवनी नैला गांव में मंगलवार दोपहर एक चौंकाने वाली घटना घटी, जब एक बंदर ने 15 दिन की नवजात बच्ची को मां की गोद से छीन लिया। भाग रहे बंदर की पकड़ से बच्ची छूटी और कुएं में जा गिरी।

बच्ची ने डाइपर पहन रखा था, जिसके कारण वह तत्काल पानी में नहीं डूबी। इस बीच बाल्टी और रस्सी के सहारे ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाल लिया, जिससे उसकी जान बच गई। अरविंद राठौर की पत्नी अपने आंगन में बेटी को दूध पिला रही थीं। तभी एक बंदर आया और बच्ची को छीनकर भाग निकला।

मां के शोर मचाने पर घर के सदस्य और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बंदर का पीछा किया। जब बंदर पास में लगे पेड़ पर चढ़ा, तो बच्ची उसके हाथ से फिसलकर पास के कुएं में

गिर गई। डाइपर पहने होने के कारण बच्ची तुरंत पानी में नहीं डूबी। इस बीच ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बाल्टी और रस्सी की मदद से बच्ची को कुएं से बाहर निकाला। बाहर निकालने पर बच्ची की सांसें नहीं चल रही थीं। इसी बीच, गांव में भागवत सुनने आई एक नर्स ने तुरंत बच्ची को सीपीआर देना शुरू किया। नर्स की सूझबूझ और ग्रामीणों की तत्परता से कुछ ही देर में बच्ची की सांसें लौट आईं। स्वजन बच्ची को तुरंत अस्पताल ले गए। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, बच्ची की हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घटना के बाद बच्ची के पिता अरविंद राठौर ने कहा कि गांव में बंदर अक्सर दिखाई देते हैं, लेकिन ऐसी खतरनाक घटना पहले कभी नहीं हुई।

रिपोर्ट के अनुसार T20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने के

सरकार के फैसले से बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश बाहर हो गया है। बांग्लादेश की सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए विश्व कप के मैचों के लिए अपनी टीम को भारत न भेजने का फैसला गुरुवार को किया। आईसीसी अपने आधिकारिक प्रेस रिलीज में कभी भी बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड के नाम का ऐलान प्रतिभागी देश के रूप में कर सकता है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों के बीच अपनी सरकार के फैसले को लेकर निराशा है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप न खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे सलाह लेना उचित नहीं समझा। सरकार के निर्णय ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष उत्पन्न कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके को लेकर है। संवाद की जगह ऊपर से आदेश वाली संस्कृति अपनाई गई। खिलाड़ियों को लगा कि वे चर्चा का हिस्सा नहीं, बल्कि पहले से तय पटकथा के श्रोता

बनकर रह गए हैं। दरअसल, विश्व कप से बाहर होने का फैसला लेने से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी। एक क्रिकेटर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'मीटिंग हमारी सहमति के लिए नहीं बुलाई गई थी। हमें सिर्फ यह बताने के लिए बुलाया गया कि क्या होने वाला है। फैसले पहले ही लिए जा चुके थे और हमारी बातों का उस पर कोई असर नहीं पड़ा। पहले खिलाड़ियों से खुलकर राय ली जाती थी, लेकिन इस बार साफ कह दिया गया कि भारत में विश्व कप खेलने का सवाल ही नहीं है। क्रिकेटर के मुताबिक, मामले में बांग्लादेश सरकार का सीधा हस्तक्षेप है। सरकार का कॉल पहले ही आ चुका था। सीधा आदेश था कि टीम नहीं जाएगी। मामला अब क्रिकेटिंग लॉजिक से आगे बढ़कर सुरक्षा और राज्य की नीति के दायरे में चला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मीटिंग के दौरान कप्तान लिटन दास और टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा कि टीम तैयार है और टूर्नामेंट में खेलने को इच्छुक है। इसकी वजह हाल के महीनों में एक मजबूत टी20 यूनिट बनने के लिए हमने कड़ी मेहनत की है और सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

एक और वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की दौड़ में भारत

चैंपियनशिप के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली थी और अब वह एक और वैश्विक टूर्नामेंट में मेजबानी हासिल करने की जुगत में है। भारत 2028 में होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए प्रयास कर रहा है जिसके लिए राष्ट्रीय महासंघ ने भुवनेश्वर में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अहमदाबाद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाई है। भारतीय

एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2024 के अंत में विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को के भारत दौरे के दौरान ही अहमदाबाद में 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगा दी थी। विश्व एथलेटिक्स की टीम ने कलिंगा स्टेडियम का किया निरीक्षण

ताजा घटनाक्रम में एएफआई ने भुवनेश्वर में 2028 विश्व इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने बुधवार को भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम परिसर में अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और पूर्व एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमरीवाला के साथ ओडिशा सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। विश्व एथलेटिक्स मार्च में 2028 और 2030 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान देशों की घोषणा करेगा। विश्व इंडोर चैंपियनशिप के मेजबान शहर की घोषणा भी इसी महीने होने की संभावना है। मालूम हो कि एएफआई ने 2028 एशियन इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी भुवनेश्वर को लेकर बोली लगाई है। यह इंडोर स्टेडियम मार्च में भारत की पहली राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और वह 2031 विश्व (सीनियर) एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी बोली लगा रहा है।

मिल्ने चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

एस20 के दौरान चोटिल हुए, काइल जैमीसन न्यूजीलैंड टीम में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जैमीसन को न्यूजीलैंड की वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है। मिल्ने को यह चोट एसए20 लीग में पिछले रविवार मुंबई केप टाउन के खिलाफ सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेलते हुए लगी थी। वे अपने पहले ही ओवर में चोटिल हो गए थे। बाद में स्कैन में चोट के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

जैमीसन अभी भारत से सीरीज में टीम का हिस्सा

जैमीसन अभी भारत के खिलाफ चल रही सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा हैं। जैमीसन पहले वर्ल्ड कप स्क्वॉड में बतौर ट्रैवलिंग रिजर्व शामिल थे। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में वदलाव की डेड लाइन 31 जनवरी तक है। इसके बाद किसी भी रिप्लेसमेंट के लिए आईसीसी से मंजूरी लेनी होगी।

हम सब एडम के लिए दुखी- न्यूजीलैंड कोच - न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उसने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने के लिए बहुत मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा था। यह एडम के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण समय है और हम उसके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम - मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सिफर्ट और इश सोढ़ी।

न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को -टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाना है। टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 शहरों के 8 वेन्यू पर खेला जाएगा। 29 दिन में 55 मैच होंगे। न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ खेला जाएगा।

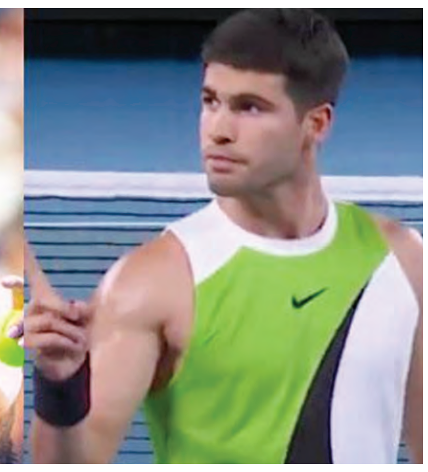

ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में सबालेंका

मेदवेदेव दो साल बाद ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में, अल्काराज ने 87 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शुक्रवार को टॉप सीड आर्यना सबालेंका, मेन्स के वर्ल्ड नंबर-1कार्लास अल्काराज, डेनियल मेदवेदेव और विटोरिया म्बोको तीसरे राउंड में जीतकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। सबालेंका ने कड़े संघर्ष के बाद अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। सबालेंका ने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (7) से जीता। अब चौथे दौर (प्री-क्वार्टर फाइनल) में उनका सामना 19 साल की उभरती हुई कनाडाई खिलाड़ी विटोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

दो टाइब्रेकर तक खिंचा सबालेंका का मैच - पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका के लिए पोटापोवा के खिलाफ जीत आसान नहीं रही। पहले सेट में सबालेंका 6-5 और 40-0 से आगे थीं, लेकिन पोटापोवा ने तीन सेट पॉइंट बचाकर खेल को टाइब्रेकर में खींच दिया। टाइब्रेकर में भी स्कोर 3-3 से बराबर होने के बाद सबालेंका ने अनुभव का फायदा उठाया और बैकहैंड विनर के साथ पहला सेट जीता। दूसरे सेट में कहानी और भी रोमांचक रही। पोटापोवा एक समय 4-0 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया। दूसरे टाइब्रेकर में पोटापोवा के पास सेट जीतने के तीन मौके थे, लेकिन दबाव के पलों में सबालेंका ने अपना संयम बनाए रखा और मैच अपने नाम किया।

सबालेंका बोलीं- आज बस लड़ने का दिन था

मैच के बाद ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में सबालेंका ने अपनी विपक्षी खिलाड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, पोटापोवा ने अविश्वसनीय टेनिस खेला। मैं लगभग पूरे मैच में बैकफुट पर थी। खेल में कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आपको बस लड़ना होता है और जीत के लिए जूझना पड़ता है, आज का दिन वैसा ही था।

19 साल की विटोरिया म्बोको पहली बार प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

कनाडा की 19 साल की विटोरिया म्बोको के लिए 23 जनवरी का दिन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने क्लारा टॉसन को तीन सेटों के मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 6-3 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में जगह बनाई है। जॉन कैन एरिना में हुआ यह मैच उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जहां दोनों खिलाड़ियों ने बेसलाइन से लंबी रैलियां कीं।

निर्णायक सेट में दिखाया म्बोको ने दम

दूसरे सेट में कई मौके गंवाने के बाद म्बोको ने तीसरे और निर्णायक सेट में अपनी लय वापस पा ली। उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर 4-1 की बढ़त बना ली। टॉसन ने वापसी की कोशिश की और दो गेम जीते, लेकिन म्बोको ने अपनी पावर और सटीक शॉट्स के दम पर जीत सुनिश्चित की। म्बोको ने अपनी इस जीत पर कहा, यह सब खुद पर विश्वास का नतीजा है। मैं पहली बार यहां खेल रही हूं और चौथे दौर में पहुंचकर बहुत खुश हूं।

अदार पूनावाला खरीद सकते हैं आरसीबी

बोले- लगाऊंगा बड़ी बोली, डियाजियो अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में, 31 मार्च तक होगा फैसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ और पूनावाला फिनकॉर्प के चेयरमैन अदार पूनावाला ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। अदार पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वे आने वाले कुछ महीनों में टीम के लिए एक मजबूत और बोली लगाएंगे। अदार पूनावाला ने टीम की तारीफ करते हुए लिखा, आरसीबी आईपीएल की बेहतरीन टीमों में से एक है।

यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने इस टीम में रुचि दिखाई है। पिछले साल अक्टूबर में भी उन्होंने कहा था कि अगर सही कीमत मिली तो आरसीबी एक शानदार इन्वेस्टमेंट साबित हो सकती है।

डियाजियो कर रही है टीम का 'स्ट्रैटेजिक रिव्यू' - आरसीबी का मालिकाना हक फिलहाल शराब बनाने वाली दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनी 'डियाजियो' के पास है। डियाजियो ने मार्केट रेगुलेटर सेबी को दी गई जानकारी में बताया है कि वह रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में अपने निवेश का 'स्ट्रैटेजिक रिव्यू' कर रही है। आरसीएसपीएल ही वह मूल कंपनी है जो आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों टीमों का संचालन करती है। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम की ओनरशिप में बदलाव हो सकता है।

आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी टीम थी - आरसीबी साल 2008 में जब आईपीएल की शुरुआत हुई थी, तब आरसीबी लीग की दूसरी सबसे महंगी टीम थी। उस समय इसे 111.6 मिलियन डॉलर (करीब 450 करोड़ रुपए तब के हिसाब से) में खरीदा गया था। पिछले कुछ सालों में टीम की ब्रांड वैल्यू और लोकप्रियता में भारी इजाफा हुआ है, जिससे अब इसकी कीमत कई हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

जसप्रीत बुमराह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बुमराह ने लिखा, उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता। उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं। बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं।

रणजी ट्रॉफी 2026

चयनकर्ताओं को सरफराज ने फिर दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान ने चयनकर्ताओं को फिर दिया जवाब, हैदराबाद के खिलाफ जड़ दिया दोहरा शतक - रणजी ट्रॉफी 2026 के ग्रुप डी के मुकाबले में मुंबई की ओर से खेल रहे

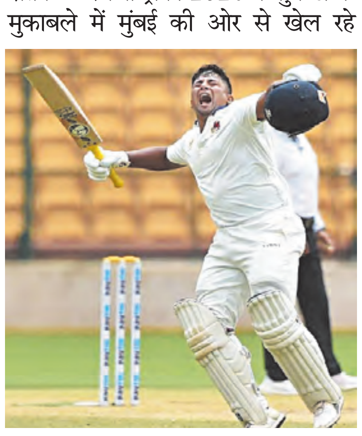

सरफराज खान ने हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया है। सरफराज ने 206 गेंद में 19 चौके और 6 छक्कों की मदद से यह डबल सेंचुरी पूरी की। सरफराज का यह 5वां फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दोहरा शतक है। सरफराज इसके अलावा एक तिहरा शतक भी लगा चुके हैं। सरफराज ने इस दोहरे शतक के जरिए एकबार फिर चयनकर्ताओं को बल्ले से जवाब दिया है।

- **सरफराज ने पहले ही दिन जड़ दिया था शतक**- सरफराज खान के दोहरे शतक की बदौलत मुंबई की टीम पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 450 से पार जा चुकी है। सरफराज ने मैच के पहले ही दिन अपना शतक पूरा कर लिया था। सरफराज के अलावा सिद्धेश लाड ने भी शतक जड़ा था। सिद्धेश 104 रन बनाकर आउट हो गए थे। खबर लिखे जाने तक सरफराज के साथ सुवेद परकार 65 रन की नाबाद पारी के साथ क्रीज पर हैं।
- **मुंबई का टॉप ऑर्डर जल्दी हो गया था आउट**- इस मैच में हैदराबाद के कप्तान मोहम्मद सिराज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। मुंबई के लिए पहले दिन पारी की शुरुआत करने अखिल हरवाडकर और आकाश आनंद आए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई ही थी कि अखिल 27 रन के स्कोर पर आउट हो गए।
- **सरफराज और सिद्धेश की साझेदारी से संभली मुंबई**- मुंबई का तीसरा विकेट 82 रन के स्कोर पर गिरा था जब मुशीर खान 11 रन पर चलते बने। तीन विकेट गिर जाने के बाद मुंबई दवाब में थी, लेकिन इसके बाद सिद्धेश और सरफराज ने मिलकर पारी को संभाल लिया।

गुजरात जायंट्स की तेज गेंदबाज तितास साधु टूर्नामेंट से बाहर

इस ऑलराउंडर की हुई एंट्री

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 के बीच में एक झटका लगा है। टीम की युवा तेज गेंदबाज तितास साधु चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह भरने के लिए गुजरात ने असम की ऑलराउंडर जिंतिमणी कलिता को अपने खेमे में शामिल किया है। साधु पिछले दो सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थीं और 7 मैच खेल चुकी थीं। उन्हें नवंबर की मेगा नीलामी में गुजरात ने 30 लाख रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम से जोड़ा था। हालांकि फिटनेस की समस्याओं के चलते वे 2026 के सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाईं। तितास के लिए पिछला साल भी चोटों से भरा रहा, जिसके कारण उन्हें कई अहम मौकों पर मैदान से दूर रहना पड़ा। पिछले साल जनवरी में आयरलैंड के विरुद्ध घरेलू वनडे सीरीज और फिर डब्ल्यूपीएल के तीन मैचों के बाद से उनकी फिटनेस उनका साथ छोड़ती रही।

पाकिस्तान ने चली चाल

जिम्बाब्वे को पहुंचाया फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर चालबाजी करने में पाकिस्तान की सीनियर टीम ही नहीं बल्कि जूनियर टीम भी काफी माहिर है। गुरुवार को अंडर 19 विश्व कप के एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान की अंडर 19 टीम ने कुछ ऐसा ही किया। दरअसल, विश्व कप के 19वें मैच में पाकिस्तान ने मेजबान जिम्बाब्वे 8 विकेट से हरा तो दिया, लेकिन इस मैच में पाकिस्तान ने ऐसी चाल चली कि उसने जिम्बाब्वे को फायदा पहुंचाया और स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 129 रन का लक्ष्य दिया था। मेजबानों ने 35.5 ओवर में 128 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम ने इस लक्ष्य को 26.2 ओवर में हासिल किया।

एक समय पर पाकिस्तान की टीम 14 ओवर में 2 विकेट खोकर 84 रन बना चुकी थी, लेकिन उसके बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी जानबूझकर धीरे खेले और 12.2 ओवर में 45 रन बनाए। यहीं पर पाकिस्तान की चाल सामने आ गई।

इस चाल से पाकिस्तान को भी होगा फायदा

नियमों के मुताबिक, टीमें ग्रुप स्टेज से सुपर सिक्स राउंड में पॉइंट्स और नेट रन रेट से आगे बढ़ाती हैं, लेकिन सिर्फ उन्हीं मैचों में जिनमें ग्रुप से अगले राउंड के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें शामिल होती हैं। ज़िम्बाब्वे को सुपर सिक्स के लिए क्वालिफ़ाई करने में मदद करके पाकिस्तान ने अपना नेट रन रेट बढ़ाया जिसका फायदा पाकिस्तान को सुपर 6 में होगा। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 142 गेंदें बाकी रहते हरा दिया, यह जीत का अंतर स्कॉटलैंड पर उसकी जीत से काफ़ी ज्यादा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 41 गेंद रहते जीत मिली थी।

संक्षिप्त समाचार

नवपदस्थापित थाना प्रभारी का किया स्वागत

संवाददाता। हरिहरगंज पलामू हरिहरगंज थाना में नवपदस्थापित थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार का चिकित्सक व समाजसेवियों की ओर से अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया. सबसे पहले महावीर सेवा सदन के चिकित्सक सह डीएवी मनोज पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉ मनोज कुमार तथा विनोद इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस कॉलेज के प्रिंसिपल पवन कुमार चौरसिया ने थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नए थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आम जनता को न्याय और सुरक्षा का भरोसा मिलेगा. वही थाना प्रभारी ने स्वागत के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाएगा और अपराध नियंत्रण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी. इसके बाद समाजसेवी सह जय माता दी विवाह मंडप के प्रोपराइटर मुकेश कुमार गुप्ता, जेपी गुप्ता, करण राजवीर एवं राहुल प्रकाश ने भी पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र देकर थाना प्रभारी का स्वागत किया. समाजसेवियों ने कहा कि देवव्रत पोद्दार के नेतृत्व में हरिहरगंज थाना क्षेत्र में अपराध पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित होगा.

नर्मदेश्वर शिव मंदिर समिति द्वारा रखा गया सरस्वती पूजा

संवाददाता मेदिनीनगर पलामू शहर के रेड़मा स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर समिति द्वारा रखा गया माता सरस्वती माता का प्रतिमा, बहुत ही भव्य तरीके से रखा गया है , जिसमें अन्य सदस्यों सहित पूरे मुहल्ले वासियों का भर पुर सहयोग रहा, साहिल वर्मा, प्रिंस सोनी, सुनील कुमार, आयुष कुमार, मित्रांशु प्रजापति, रोशन कुमार, अमन वर्मा, साहित मंदिर समिति के, छोटू चौबे, बिट्टू तिवारी, बिट्टू वर्मा, राजू ओझा, दीपक पंडित, अभिषेक दुबे, किट्टू कुमार, प्रिंस तिवारी, विक्की वर्मा, रिशु वर्मा, सहित अन्य सदस्य शामिल थें !

आंगनबाड़ी केंद्र में धूमधाम से मनाया गया सरस्वती पूजा महोत्सव

संवाददाता हरिहरगंज पलामू नगर पंचायत अंतर्गत अंबा मोहल्ला स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र वन में शुक्रवार को सरस्वती पूजा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर मां सरस्वती की तस्वीर स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गयी. वहीं आंगनबाड़ी केंद्र को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा. आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका विमला कुमारी एवं सहायिका सुनीता देवी ने बताया कि पूजा उपरांत बच्चों एवं उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. कार्यक्रम के दौरान बच्चों में उत्साह व उमंग देखी गयी, जिससे माहौल और भी जीवंत हो गया. ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा किए गए आयोजन की सराहना करते हुए इसे बच्चों के संस्कार और शिक्षा के लिए उपयोगी बताया. इस मौके पर अखिलेश विश्वकर्मा, कामेश्वर शर्मा, मालती देवी, ललिता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं केंद्र के बच्चे उपस्थित थे.

तुकबेरा V.D.M. पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ पहला वार्षिक उत्सव संपन्न

संवाददाता नावा बाजार (पलामू)। तुकबेरा स्थित V.D.M. पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को सरस्वती पूजा महोत्सव के साथ विद्यालय का पहला वार्षिक उत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के निदेशक अजय कुमार मेहता, पिता मुनेश्वर मेहता तथा प्रधानाध्यापक सुनील कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से अखंड दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन के पश्चात निदेशक अजय कुमार मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य अनुशासित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिससे छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नृत्य, संगीत, भाषण एवं नाटक की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्रधानाध्यापक नागेंद्र प्रजापति, एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव संजय कुमार मेहता, उपाध्यक्ष अनुज कुमार मेहता, कोषाध्यक्ष कमलेश चंद्रवंशी, बसपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता, मुखिया विनोद विश्वकर्मा, धर्मेंद्र ठाकुर, सत्यानंद मेहता, अरुण मेहता, अमरेश कुमार मेहता, महबूब अंसारी, रविंद्र नाथ ठाकुर, अफजाल अंसारी, श्रीकांत पांडे, सत्येंद्र पासवान, सिद्धार्थ कुमार, सरगम कुमार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक, अभिभावक एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

फोरलेन निर्माण स्थल पर प्रस्तावित गोलीबारी विफल, 8 अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए NHAI के फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान प्रस्तावित गोलीबारी की बड़ी घटना को विफल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने अवैध हथियार, गोली और अन्य आपत्तिजनक सामग्री के साथ सुजीत सिन्हा एवं प्रिंस खान गैंग से जुड़े कुल आठ अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी तत्व चियांकी ओवरब्रिज के पास या सिंगरा स्थित निर्माण कंपनी के अस्थायी आवासीय कैंप पर गोलीबारी कर दहशत फैलाने और रंगदारी वसूलने की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर, मेदिनीनगर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चियांकी निर्माणाधीन ओवरब्रिज से तीन युवक, सिंगरा फोरलेन अमानत नदी के पास से दो युवक तथा सिंगरा स्थित निर्माणाधीन ओवरब्रिज से तीन युवकों को गिरफ्तार किया। सभी के पास से अवैध हथियार, गोली और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार अभियुक्त NHAI के पलामू में चल रहे कार्यस्थलों पर गोलीबारी कर मजदूरों और निर्माण कार्य को नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहे थे, ताकि भय का माहौल बनाकर मोटी रकम की उगाही की जा सके। यह पूरी साजिश प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के नाम पर रंगदारी वसूलने के लिए रची गई थी। पुलिस के अनुसार, सुजीत सिन्हा गैंग को वर्तमान में "कुबेर" नामक छद्म नाम से संचालित किया जा रहा है, जो दोनों गैंगों के बीच समन्वयक की भूमिका निभा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि अमित चौधरी उर्फ रितिक चौधरी सभी अभियुक्तों का स्थानीय समन्वयक था, जो कुबेर के निर्देशों को अन्य युवकों तक पहुंचाता था। घटना को अंजाम देने के बाद उसके विदेश भागने की योजना भी थी। अभियुक्तों ने यह भी स्वीकार किया कि गोलीबारी के बाद प्रिंस खान गैंग के नाम की धमकी भरी पर्ची घटनास्थल पर फेंकने की योजना थी। अभियुक्तों की निशानदेही पर ऐसी पर्ची भी बरामद की गई है। पुलिस की समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ी आपराधिक घटना टल गई और फोरलेन निर्माण कार्य में लगे मजदूरों की जान बच सकी। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

श्रद्धा व उल्लास के साथ हुई माँ सरस्वती की पूजा

संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू : हुसैनाबाद क्षेत्र के विभिन्न सरकारी गैर-सरकारी जगहों पर माँ सरस्वती की पूजा श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। पूजा-अर्चना के दौरान विद्यालय के सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रार्थना प्रस्तुत किया मां शारदे कहा तुम वीणा बजा रही हो किस मंजु ज्ञान से मां यज्ञ को लुभा रही हो ! वहीं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने माँ सरस्वती की विधिवत पूजा कर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। पूजा के उपरांत बच्चों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिसके बाद उन्हें घर भेजा गया। वहीं संध्या समय में महाप्रसाद का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक सह प्रधानाचार्य डॉ.रहे उपस्थित अक्षय कुमार चौहान सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं में विनोद चौधरी, संतोष मिश्रा, किरण देवी, अंजली सिंह, सुधांशु कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, राहुल चौहान, विकास कुमार, दशरथ कुमार, कार्तिक कुमार, राकेश कुमार, रिमझिम देवी, प्रियंका देवी, बबीता देवी, शकुंतला देवी, रीना देवी, अंशी सिंह, चांदनी कुमारी, उम्म सैयद, पंकज राज, संजीत कुमार, अभिषेक कुमार, राहुल गुप्ता, सानिया मिर्जा के साथ-साथ गार्ड नंदू प्रजापति, परिचारिका विमला कुंवर एवं कौशल्या देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कठौतिया माइंस से चोरी गया सामान बरामद

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस से चोरी किए गए सभी सामान को बरामद कर लिया गया है। इस मामले में पड़वा थाना पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस ने बरामदगी के बाद चोरी की घटना में संलिप्त लोगों की भूमिका की गहन छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ दिनों से कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस क्षेत्र में केबल, एंगल समेत अन्य कीमती सामानों की चोरी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इससे माइंस प्रबंधन की चिंता बढ़ गई थी। चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए माइंस के सुरक्षा प्रबंधक शैलेंद्र सिंह ने मामले की आंतरिक जांच शुरू कराई। इसके बाद पड़वा थाना के एसओ चंदन तिवारी के नेतृत्व में संयुक्त रूप से छापामारी अभियान चलाया गया। छापामारी के दौरान कठौतिया गड़ई टोला निवासी मेदिनी सिंह के घर तथा उसके घर के आसपास स्थित खेतों से चोरी गया सारा सामान बरामद कर लिया गया। बरामद सामान में माइंस से चोरी किए गए केबल, एंगल और अन्य औद्योगिक उपयोग के सामान शामिल हैं। सुरक्षा टीम द्वारा जैसे ही सामान बरामद किया गया, इसकी सूचना तत्काल माइंस प्रबंधन द्वारा पड़वा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस का कहना है कि बरामदगी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है और इस चोरी में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। जल्द ही दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। माइंस प्रबंधन ने चोरी गया सामान बरामद होने पर राहत की सांस ली है और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की बात कही है। स्थानीय लोगों के बीच भी इस कार्रवाई को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है।

गंगतुआ में नवाह्न प्रयाण पाठ का शुभारंभ

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गंगतुआ में नवाह्न प्रयाण पाठ महायज्ञ के 31वें अधिवेशन का शुभारंभ मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह ने किया। उन्होंने विधिवत रूप से पाठ कर रहे सभी धर्मावलंबी श्रद्धालुओं को कलश प्रदान कर कलश यात्रा का शुभारंभ कराया। कलश यात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। पूरे गांव में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। वैदिक मंत्रोच्चारण और जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। कलश यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए यज्ञ स्थल तक पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह ने कहा कि वे इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में नहीं, बल्कि गांव के भाई, बेटे और भतीजे के रूप में हर वर्ष शामिल होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति व परंपरा से जोड़ते हैं। साथ ही उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया, जो पिछले 31 वर्षों से लगातार इस महायज्ञ का सफल आयोजन करते आ रहे हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी संजय पांडेय, सुशील पांडेय, विक्रमा पांडेय, ओम पांडेय, अरविंद त्रिपाठी, राजकुमार ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि नवाह्न प्रयाण पाठ के दौरान प्रतिदिन प्रवचन, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे, जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालु भाग लेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका रही। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है और श्रद्धालु बड़ी संख्या में यज्ञ में सहभागिता कर रहे हैं।

आरोपी गिरफ्तार भेजा गया जेल

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खुरा कला गांवका रहने वाले स्वर्गीय बच्चू चौधरी के 19 वर्षीय पुत्र कुंदन चौधरी, ने एक नाबालिक प्रेमी युगल को कुछ दिन पूर्व में नाबालिक लड़की के परिजनों द्वारा भगाने का आरोप लगाया गया था जिसको सत्यापन करने के बाद सत्य पाया गया चैनपुर थाना प्रभारी ने श्री राम शर्मा ने आरोपी लड़के को बीते बृहस्पति वार को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया !

धूम धाम से मनी महाराजा सुहेलदेव राजभर की जयंती

संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामूः प्रखंड के ग्राम हीरा सिकनी में उमेश राजभर के अध्यक्षता में, राष्ट्र बीर महाराजा सुहेलदेव राजभर जी की,1017 वी जयंती धूम धाम से मनाई गई। वही मंच संचालन ओपी राजभर ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैदरनगर चौकड़ी पंचायत के मुखिया महेंद्र राजभर, विशिष्ट अतिथि के तौर पर, सडेया मुखिया शंकर राजभर, हुसैनाबाद उतरी जिप के प्रत्याशी डॉ संतोष राजभर जी, विजय रजवार,बीरेंद्र राजभर, उप मुखिया सूरज राजभर, हरेराम राजभर, छोटू रजवार,कार्तिक राजवंशी थे। जयंती के उपलक्ष्य में केक काटकर एवं प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर मनाया गया। कार्यक्रम में कई वक्ताओं ने राजनीति, शिक्षा, सामाजिक सुधार, दहेज प्रथा, सामाजिक कुरीतियों एवं महाराजा सुहेलदेव राजभर जी के जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कमलेश राजभर, अमृत राजभर, श्री राम राजभर, राकेश राजभर, ओपी डीजे, अनिल रजवार, मंटू राजभर, राकेश, लवकुश, धीरज, मुकेश, रंजीत, सुमेर, विनय, दिलीप, धर्मेंद्र, सकलदीप आनंद एवं सैकड़ों महिला पुरूष मौजूद थे।

प्रखंड में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

संवाददाता

हरिहरगंज पलामू हरिहरगंज एवं पीपरा प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई. शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षण संस्थानों सहित कई गांवों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई. पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. कौवाखोह स्थित नेशनल आइटीआइ कॉलेज एवं नेशनल पब्लिक स्कूल में भी हर्षोल्लास के साथ सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव रंजन ने कहा कि विद्या की देवी मां वीणावादिनी की आराधना से ज्ञान, विवेक और संस्कार की प्राप्ति होती है. विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों को भी आत्मसात करना चाहिए. इसके अलावा हरिहरगंज सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, अष्टविनायक क्लासेस, सेवा बाल मंडली मेन बाजार, ब्लूमिंग बड्स ग्लोबल स्कूल, ल्यूमिनस मेंटर्स एकेडमी, बीएनएस पब्लिक स्कूल, डीएवी मनोज पब्लिक स्कूल, प्रोजेक्ट धनमानी प्लस टू उच्च विद्यालय पीपरा बरदाग, स्तरोन्नत उच्च विद्यालय पीपरा, सीता प्लस टू विद्यालय, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय पीपरा, प्लस टू पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हरिहरगंज, अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय कौवाखोह, राजकीय मध्य विद्यालय हरिहरगंज, कन्या मध्य विद्यालय, गुरुकुल स्कूल सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में भी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई. विभिन्न शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राएं पूजा-अर्चना में व्यस्त नजर आए. पूजा स्थलों पर भक्ति का माहौल बना रहा. मौके पर औरंगाबाद सांसद अभय कुशवाहा, पूर्व विधायक शिवपूजन मेहता, समाजसेवी जानू चौधरी, डॉ मनोज कुमार, अनोज मेहता, नेशनल आइटीआइ संस्थान के चेयरमैन सत्येंद्र मेहता, मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव रंजन, प्रधानाचार्य रविरंजन वर्मा, प्रधानाचार्य विजयेंद्र प्रसाद, भीमसेन प्रसाद, डॉ. वीरेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार क्रांतिकारी, बाबू भाई, मनोज मेहता, हरिद्वार मेहता, ज्योति रंजन, अनुपमा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.